नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, बिहार से प्रसारित

सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2)
Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 339, नई दिल्ली, शनिवार 07 फरवरी 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में वही व्यक्ति दुखी है जो ख़ाली है काम मैं व्यस्त रहो और मस्त रहो।

02 कॉलेस्ट्रॉल गोलियों से नहीं, किचन से आता है

06 हरे पेड़ों की क्रूर कटाई: बढ़ता पर्यावरणीय संकट

08 स्वर्गीय अजीत पवार जी के अस्थि कलश का विसर्जन, विभाग हुआ सक्रिय

दिल्ली में प्राइवेट बसों पर ट्रैफिक पुलिस का शिकंजा चालानों और जब्ती में भारी बढ़ोतरी

दिल्ली में सेंट्रल रेंज ट्रैफिक पुलिस ने प्राइवेट बसों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 2024 की तुलना में 2025 में चालानों में 81% और बसों की जब्ती में 147% की बढ़ोतरी हुई है। ओवरलोडिंग के मामलों में 1,241% की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई। यह अभियान अवैध संचालन, ओवरक्राउडिंग और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत चलाया जा रहा है।

उल्लंघन	साल 2024	साल 2025	प्रतिशत में बढ़ोतरी
बिना परमिट के	615	698	13%
परमिट का उल्लंघन	1952	1612	17%
अवैध पार्किंग	947	2677	183%
बिना इजाज़त यात्रियों को बिठाना	1154	1638	42%
ओवरलोडिंग	179	2,400	1,241%
अन्य	643	897	40%
कुल	5,490	9,912	81%
जब्त की गईं	539	1,333	147%

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी में सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर बनाने के लिए सेंट्रल रेंज ट्रैफिक पुलिस ने प्राइवेट बसों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। 2024 की तुलना में 2025 में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों पर जुर्माना लगाने और उन्हें जब्त करने में काफी बढ़ोतरी हुई है।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जहां 2024 में कुल 5,490 चालान (जुर्माना) जारी किए गए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 9,912 हो गई, जो 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्राइवेट बस ऑपरेटरों द्वारा लगातार नियमों की अनदेखी के कारण ये सख्त कदम उठाना ज़रूरी हो गया था।

एडिशनल कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) मोनिका भारद्वाज के अनुसार, यह अभियान अवैध संचालन, ओवरक्राउडिंग और यात्रियों की सुरक्षा से समझौता रोकने के लिए 'जीरो टॉलरेंस' पॉलिसी के तहत चलाया जा रहा है। सबसे बड़ी कार्रवाई ओवरलोड बसों के खिलाफ की गई है।

ओवरलोड मामलों में 1,241 प्रतिशत की रिकॉर्ड बढ़ोतरी देखी गई। 2024 में 179 मामले थे, जो 2025 में बढ़कर 2,400 हो गए। इसके अलावा, बिना इजाजत पार्क की गई बसों के खिलाफ 183 प्रतिशत ज़्यादा चालान जारी किए गए, जिनकी संख्या 947 से बढ़कर 2,677 हो गई।

वहीं, बिना परमिट के बस चलाने पर चालान में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, परमिट उल्लंघन के मामलों में 17 प्रतिशत की कमी आई। जब्ती की कार्रवाई भी तेज़ की गई। 2024 में 539 बसें ज़ब्त की गईं, जबकि 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,333 हो गया, जो 147 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

यह अभियान न केवल सालाना चल रहा है, बल्कि इस साल जनवरी में भी जारी रहा। इस दौरान, 605 बसों पर बिना इजाज़त पार्किंग के लिए, 249 पर ओवरलोडिंग के लिए, 133 पर अवैध रूप से यात्रियों को उतारने-चढ़ाने के लिए जुर्माना लगाया गया और 72 बसें जब्त की गईं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बिना इजाजत पार्किंग, ओवरलोडिंग और सड़क किनारे यात्रियों को उतारने-चढ़ाने से ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इन समस्याओं को खत्म करने के लिए एक खास रणनीति के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है।

सेंट्रल रेंज ट्रैफिक पुलिस ने बस ऑपरेटरों को परमिट की शर्तों, तय पार्किंग जगहों और सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने के साफ निर्देश दिए हैं। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें बसों को जब्त करना भी शामिल है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, ISBT कश्मीरी गेट को सभी तरह की बसों के लिए खोल दिया गया है।

सोनीपत और आस-पास के इलाकों में जाने वाली बसों को चांदगी राम अखाड़ा और मजनू का टीला इलाकों में भीड़ कम करने के लिए शास्त्री पार्क के पास नए देहरादून एक्सप्रेसवे रूट का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

परिवहन विशेष जनहित विशेष कॉलम

ह्यूमन राइट्स को लेकर लोगों की आम शंकाएँ....

पिंकी कुंडू

क्या मानव अधिकार सिर्फ अपराधियों या गरीबों के लिए होते हैं?

* नहीं — मानव अधिकार हर इंसान के लिए हैं, चाहे वह अमीर हो, गरीब हो या किसी भी धर्म-जाति का हो।

क्या मानव अधिकार का मतलब सिर्फ पुलिस या कानून से लड़ना है?

* नहीं — यह शिक्षा, भोजन, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है।

क्या आम नागरिक कुछ नहीं कर सकता?

* गलत — समाज में सबसे बड़ा बदलाव आम लोग ही लाते हैं।

* क्या मदद करने के लिए बहुत पैसे चाहिए?

* नहीं — समय, जागरूकता और छोटे-छोटे प्रयास भी बहुत बड़ी सेवा होते हैं।

आप जागरूकता अभियान में कैसे शामिल हो सकते हैं

1. अपने इलाके में मानव अधिकार जागरूकता पोस्टर या सोशल मीडिया पोस्ट बनाएं
2. स्कूल-कॉलेज में छोटे सेमिनार या चर्चा कार्यक्रम करें
3. गरीब बच्चों की शिक्षा और अधिकारों पर जागरूकता फैलाएं
4. सोशल मीडिया पर सही जानकारी शेयर करें
5. किसी विश्वसनीय NGO या ट्रस्ट के साथ वॉलंटियर बनें

मानवता, समाज और देश की सेवा कैसे करें

1. हफ्ते में एक दिन भूखों को खाना बांटने का संकल्प लें
2. जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त पढ़ाई या किताबें दें
3. बुजुर्गों और बेसहारा लोगों की मदद करें
4. हेल्थ कैंप या ब्लड डोनेशन कैंप में भाग लें
5. सर्दियों में कपड़े, गर्मियों में पानी और छाया की व्यवस्था करें

याद रखें

* सेवा सिर्फ दान नहीं — दया + सम्मान + जिम्मेदारी है

* छोटा काम भी किसी के लिए बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

सार्वजनिक परिवहन के एकीकरण को लेकर डुमटा विधेयक पर काम शुरू, दिल्ली का कायाकल्प करने की है तैयारी

दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को एकीकृत करने के लिए दिल्ली यूनिफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (डुमटा) विधेयक का मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया है। इसका उद्देश्य दिल्ली की खंडित परिवहन व्यवस्था को सुसंगत बनाना और एक आधुनिक, कुशल, जन-केंद्रित प्रणाली विकसित करना है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो इस विधेयक को समयबद्ध तरीके से तैयार करेगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सार्वजनिक परिवहन की निगरानी व्यवस्था को एक मंच पर लाने के लिए दिल्ली सरकार ने दिल्ली यूनिफाइड मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (डुमटा) के लिए विधेयक का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे एक तरफ जहां शहरी परिवहन व्यवस्था में व्यापक सुधार होने का अनुमान है, वहीं इस व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिल्ली अर्बन ट्रांसपोर्ट फंड (डीयूटीएफ) के गठन के लिए मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की है।

सुधार की दिशा में मील का पत्थर

प्रस्तावित कानून का उद्देश्य दिल्ली की वर्तमान में खंडित परिवहन व्यवस्था को एकीकृत, सुसंगत और समन्वित योजना एवं शासन ढांचे के अंतर्गत लाना है, ताकि राजधानी के लिए एक आधुनिक, कुशल, जन-केंद्रित और पर्यावरण की दृष्टि से सतत परिवहन प्रणाली विकसित की जा सके। यह पहल दिल्ली के शहरी परिवहन शासन में एक महत्वपूर्ण संस्थागत सुधार की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो सकती है।

उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया

प्रस्तावित कानून के शीघ्र और समावेशी मसौदे को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। टास्क फोर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वह निर्धारित समय-सीमा में विधेयक का मसौदा तैयार कर प्रस्तुत करे, जिससे सरकार की सुधारोन्मुख प्रतिबद्धता और तत्परता स्पष्ट होती है।

संरचनात्मक समाधानों की आवश्यकता

यह निर्णय शहरी योजनाकारों, परिवहन विशेषज्ञों और नागरिक हितधारकों की लंबे समय से चली आ रही उस मांग के अनुरूप है, जिसमें विभिन्न परिवहन एजेंसियों के बीच योजना, निवेश और संचालन के लिए एक प्रभावी एकीकृत प्राधिकरण की आवश्यकता जताई जाती रही है। दिल्ली के तीव्र शहरीकरण, बढ़ती जनसंख्या और वाहनों के निरंतर बढ़ते

दबाव को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि अब बिखरे हुए उपायों के बजाय प्रणालीगत और संरचनात्मक समाधानों की आवश्यकता है।

प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को करें सह नामित

इस टास्क फोर्स में परिवहन, शहरी विकास, वित्त, योजना, लोक निर्माण और दिल्ली पुलिस सहित प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त डीडीए, एमसीडी, दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन, डीटीसी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम और भारतीय रेलवे जैसे प्रमुख नागरिक एवं परिवहन संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और स्थानीय आवश्यकताओं के संतुलित समावेश के लिए मुख्यमंत्री ने शहरी परिवहन के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को सह नामित करने का भी सुझाव दिया है।

दीर्घकालिक रणनीति का एक अहम अंग

सीएम ने कहा कि डुमटा दिल्ली की संपूर्ण शहरी गतिशीलता प्रणाली में समन्वय स्थापित करेगा। मेट्रो, बस, क्षेत्रीय रेल, रेलवे और फीडर सेवाओं जैसे सभी परिवहन साधनों को एकीकृत योजना क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लाकर हम यह सुनिश्चित करेंगे कि परिवहन समाधान कुशल, समावेशी और नागरिक केंद्रित हों। सीएम ने कहा कि डुमटा सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने, अंतिम मील कनेक्टिविटी सुधारने और निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे सड़कों पर जाम में कमी आएगी। उन्होंने रेखांकित किया कि यह पहल वायु प्रदूषण से निपटने की सरकार की दीर्घकालिक रणनीति का एक अहम अंग है।

डुमटा के अपेक्षित लाभ

शहरी परिवहन की एकीकृत योजना और प्रबंधन को सक्षम बनाना

बहु माध्यम परिवहन सेवाओं का प्रभावी एकीकरण

तर्कसंगत और पारदर्शी किराया संरचना को बढ़ावा देना

अनुसंधान, नीति अध्ययन और जन जागरूकता को प्रोत्साहन

डुमटा क्या करेगा

व्यापक गतिशीलता योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा

परिवहन निवेश कार्यक्रम की तैयारी

दिल्ली और एनसीआर में विभिन्न परिवहन एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय

दिल्ली अर्बन ट्रांसपोर्ट फंड का प्रबंधन

टास्क फोर्स क्या करेगा

डुमटा की संरचना को अंतिम रूप देना

हितधारक परामर्श की प्रक्रिया संचालित करना

डुमटा विधेयक के अधिनियमन में सहायता

डुमटा के दृष्टि, मिशन और लक्ष्यों के निर्धारण के बोर्ड बैठकों का आयोजन

दिल्ली में डुमटा के संचालन के लिए आवश्यक अन्य सभी कार्य।

टेंपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत

https://tolwa.com/about.html | tolwaindia@gmail.com
tolwadelhi@gmail.com

आज का साइबर सुरक्षा विचार : सिम बाइंडिंग की अनिवार्यता

पिंकी कुंडू

- सिम बाइंडिंग बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (BFSI) क्षेत्र में एक मानक सुरक्षा प्रथा है।

- दिसंबर 2025 में भारत सरकार ने इसे कम्युनिकेशन ऐप्स (OTT प्लेटफ़ॉर्म) पर भी लागू किया ताकि बढ़ते धोखाधड़ी मामलों पर रोक लगाई जा सके।

क्यों ज़रूरी है?

- धोखाधड़ी कॉल और मैसेज से बढ़ते घोटाले:
- डिजिटल गिरफ्तारी
- क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी
- ई-कॉमर्स फ्रॉड
- सेक्सटॉर्शन

अनुमानित नुकसान:

- 2025 में ₹19,812 करोड़
  - 2024 में ₹22,849.49 करोड़
  - 2023 में ₹7,463.2 करोड़
  - 2022 में ₹2,290.23 करोड़

• छह वर्षों में कुल नुकसान: ₹52,976 करोड़ (मोबाइल आधारित धोखाधड़ी से)।

मुख्य प्रावधान

• OTT कम्युनिकेशन ऐप्स के लिए सक्रिय सिम से लिंक होना अनिवार्य।

- कंपनियों को लागू करने के लिए 90 दिन का समय।
- वेब सेशन का 6 घंटे बाद ऑटो लॉगआउट।
- 120 दिन में अनुपालन रिपोर्ट जमा करना आवश्यक।

हितधारकों के दृष्टिकोण

- सरकार (DoT और माननीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया):
- सिम बाइंडिंग से जवाबदेही सुनिश्चित होगी और गुमनामी खत्म होगी।
- यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ट्रैकिंग में मदद करेगा।

- **COAI (सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया):**

- इस कदम का स्वागत किया और कहा कि यह OTT खिलाड़ियों की नियामक जवाबदेही की दिशा में कदम है।
- तकनीकी विशेषज्ञ (FaceOff Technologies):
- सिम बाइंडिंग के साथ AI आधारित पहचान सत्यापन (QR वेरिफिकेशन, लाइवनेस डिटेक्शन, डिवाइस फिंगरप्रिंटिंग) धोखाधड़ी रोकने में सहायक होगा।

साइबर सुरक्षा संदर्भ

- टेलीकम्युनिकेशन साइबर सुरक्षा संशोधन नियम, 2025 के तहत OTT ऐप्स को सक्रिय सिम से लिंक करना अनिवार्य।
- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (i4C) ने 24 प्रकार के साइबर अपराध चिन्हित किए हैं, जिनमें सिम स्वैप, पहचान चोरी, रैनसमवेयर और जासूसी शामिल हैं।

-मुख्य निष्कर्ष

- भारत में अब OTT कम्युनिकेशन ऐप्स के लिए सिम बाइंडिंग अनिवार्य।
- पिछले वर्षों में ₹50,000 करोड़ से अधिक का नुकसान रोकने का लक्ष्य।

• कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत ट्रैकिंग क्षमता मिलेगी।

• 90 दिन में लागू करना और 120 दिन में रिपोर्ट जमा करना अनिवार्य।

स्वास्थ्य विशेष

स्वास्थ्य आपका कोशिश हमारी

पिंकी कुंडू

गर्म पानी पीने के 15 जबरदस्त, अद्भुत अमृतमयी फायदे

1. अगर आप स्किन प्रॉब्लम्स से परेशान हैं या ग्लोइंग स्किन के लिए तरह-तरह के कॉस्मेटिक्स यूज करके थक चूके हैं तो रोजाना एक गिलास गर्म पानी पीना शुरू कर दें। आपकी स्किन प्रॉब्लम फ्री हो जाएगी व ग्लो करने लगेगी।

2. लड़कियों को पीरियड्स के दौरान अगर पेट दर्द हो तो ऐसे में एक गिलास गुनगुना पानी पीने से राहत मिलती है। दरअसल इस दौरान होने वाले पैन में मसल्स में जो खिंचाव होता है उसे गर्म पानी रिलैक्स कर देता है।

3. गर्म पानी पीने से शरीर के विषैले तत्व बाहर हो जाते हैं। सुबह खाली पेट व रात्रि को खाने के बाद पानी पीने से पाचन संबंधी दिक्कते खत्म हो जाती है व कब्ज और गैस जैसी समस्याएं परेशान नहीं करती हैं।

4. भूख बढ़ाने में भी एक गिलास गर्म पानी बहुत उपयोगी है। एक गिलास गर्म पानी में एक नींबू का रस और काली मिर्च व नमक डालकर पीएं। इससे पेट का भारीपन कुछ ही समय में दूर हो जाएगा।

5. खाली पेट गर्म पानी पीने से मूत्र से संबंधित रोग दूर हो जाते हैं। दिल की जलन कम हो जाती है। वात से उत्पन्न रोगों में गर्म पानी अमृत समान फायदेमंद हैं।

6. गर्म पानी के नियमित सेवन से ब्लड सर्कुलेशन भी तेज होता है। दरअसल गर्म पानी पीने से शरीर का तापमान बढ़ता है। पसीने के माध्यम से शरीर की सारे जहरीले तत्व बाहर हो जाते हैं।

7. बुखार में प्यास लगने पर मरीज को ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए। गर्म पानी ही पीना चाहिए बुखार में गर्म पानी अधिक लाभदायक होता है।

8. यदि शरीर के किसी हिस्से में गैस के कारण दर्द हो रहा हो तो एक गिलास गर्म पानी पीने से गैस बाहर हो जाती है।

9. अधिकांश पेट की बीमारियां दूषित जल से होती हैं यदि पानी को गर्म कर फिर ठंडा कर पीया जाए तो जो पेट की कई अधिकांश बीमारियां पनपने ही नहीं पाएंगी।

10. गर्म पानी पीना बहुत उपयोगी रहता है इससे शक्ति का संचार होता है। इससे कफ और सर्दी संबंधी रोग बहुत जल्दी दूर हो जाते हैं।

11. दमा, हिचकी, खराश आदि रोगों में और तले भुने पदार्थों के सेवन के बाद गर्म पानी पीना बहुत लाभदायक होता है।

12. सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी में एक नींबू मिलाकर पीने से शरीर को विटामिन सी मिलता है। गर्म पानी व नींबू का कॉम्बिनेशन शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है।साथ ही पी.एच. का स्तर भी सही बना रहता है।

13. रोजाना एक गिलास गर्म पानी सिर के सेल्स के लिए एक गजब के टॉनिक का काम करता है। सिर के स्केल्प को हाइड्रेट करता है जिससे स्केल्प ड्राय होने की प्रॉब्लम खत्म हो जाती है।

14. वजन घटाने में भी गर्म पानी बहुत मददगार होता है। खाने के एक घंटे बाद गर्म पानी पीने से मेटॉबालिम्म बढ़ता है। यदि गर्म पानी में थोड़ा नींबू व कुछ बूंदे शहद की मिला ली जाएं तो इससे बॉडी स्लिम हो जाती है।

15. हमेशा जवान दिखते रहने की चाहत रखने वाले लोगों के लिए गर्म पानी एक बेहतरीन औषधि का काम करता है।

कोलेस्ट्रॉल गोलियों से नहीं आता, यह किचन से आता है!

पिंकी कुंडू

यह 8 खाने की चीज़ें रोज़ खाई जाती हैं - और धीरे-धीरे दिल को नुकसान पहुँचाती हैं

बहुत से लोग कहते हैं मैं कुछ भी ऑयली नहीं खाता, लेकिन रिपोर्ट में मेरा कोलेस्ट्रॉल ज़्यादा है ! क्यों ?

हम जो खा रहे हैं वह 'ऑयली' नहीं, बल्कि 'डेंजरस' है यह खाने की चीज़ें खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है

1. बेकरी प्रोडक्ट्स (ब्रेड, पाव, केक, बिस्कुट)

* रिफाइंड आटा + ट्रांस फैट -- LDL (बैड कोलेस्ट्रॉल) बढ़ता है

2. होटल की चाय, कटिंग चाय

* बार-बार उबला हुआ दूध -- ऑक्सिडाइज्ड फैट ⟶ हार्ट रिस्क

3. फ्राइड फूड्स (वड़ा पाव, भाजी, समोसा)

* एक ही तेल का बार-बार इस्तेमाल -- ब्लड वेसल में फैट जमा होता है

4. पैकेज्ड स्नैक्स, चिप्स, फरसाण

* हाइड्रोजनेटेड ऑयल -- ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ते हैं

5. ज्यादा चीनी वाले फूड्स

* जलेबी, लड्डू, कोल्ड ड्रिंक्स -- शुगर ⟶ फैट में बदलना

6. देर रात का खाना

* धीरे डाइजेशन -- फैट बर्न नहीं होता, जमा होता है

7. ज्यादा मीट, कम सब्ज़ियां

* फाइबर की कमी -- कोलेस्ट्रॉल बाहर नहीं निकलता

8. 'हेल्दी' माने जाने वाले फूड्स

* कॉर्नफ्लेक्स, सफेद चावल, लो-फैट बिस्कुट -- ज़्यादा शुगर और प्रोसेसिंग वाले

तो कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए आप क्या खा सकते हैं ?

1. ओट्स, ज्वार, बाजरा
2. गर्म पानी + थोड़ी एक्सरसाइज
3. लहसुन, मेथी के बीज
4. पत्तेदार सब्ज़ियां, फल
5. देसी घी (सीमित मात्रा में)

तेल से भी ज़्यादा खतरनाक — गलत खाने का शेड्यूल !

यह आर्टिकल पढ़ने के बाद, आज से कम से कम 1 ऊपर लिखित खाना खाना बंद कर दें, क्योंकि दिल की बीमारी सबसे पहले खाने से शुरू होती है।

साइटिका / गृध्रसी रोग

पिंकी कुंडू

आयुर्वेद के अनुसार साइटिका को गृध्रसी रोग कहा जाता है। इस रोग में पैर में तेज पीड़ा होती है, जिसके कारण व्यक्ति का चलने का तरीका गिद्ध जैसा हो जाता है। इसी वजह से इस रोग को गृध्रसी कहा गया है।

आयुर्वेद में इसे वातजन्य रोगों की श्रेणी में रखा गया है। यह समस्या मुख्य रूप से बढ़े हुए वात दोष और दूषित कफ दोष के कारण उत्पन्न होती है।

जब व्यक्ति अत्यधिक वात बढ़ाने वाले आहार का सेवन करता है, जैसे

* — बीन्स, अंकुरित अनाज, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, अत्यधिक सूखा और ठंडा भोजन, फास्ट-फूड तो यह समस्या ज्यादा बढ़ जाती है। या

* कड़वे और कसैले रस वाले पदार्थों का अधिक मात्रा में उपयोग करता है, लगातार उपवास करता है, बहुत देर तक खड़ा रहता है या लंबे समय तक एक ही जगह बैठा रहता है तो शरीर में वात दोष बढ़ जाता है।

इसी बढ़े हुए वात दोष के कारण गृध्रसी और अन्य वात संबंधी रोग उत्पन्न होते हैं।

अगर हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझें, तो हमारी रीढ़ की हड्डी कई छोटे-छोटे मनकों (Vertebrae) से बनी होती है। कमर के हिस्से में L4, L5, S1, S2, S3 जैसे मनके होते हैं।

इन मनकों के बीच से बहुत पतली नसें निकलती हैं, जो आगे जाकर आपस में मिल जाती हैं और मिलकर साइटिका नर्व बनाती हैं। यही नस हमारे हिप्स से शुरू होकर पूरी टांग में नीचे तक जाती है।

साइटिका एक प्रमुख नस है, जो कूल्हे से निकलकर पूरी टांग में फैलती है।

जहां-जहां यह नस जाती है, वहां-वहां व्यक्ति को दर्द महसूस होता है।

रीढ़ की हड्डी के मनकों के बीच एक नरम डिस्क होती है, जो झटकों (Jerks) से बचाने का काम करती है।

किसी भी कारण से जब यह डिस्क अपनी जगह से हिल जाती है, तो समस्या शुरू हो जाती है।

अक्सर लोग मानते हैं कि भारी वजन उठाने या गिरने की वजह से डिस्क खिसक गई।

ऐसी स्थिति में डिस्क साइटिका नर्व पर दबाव डाल देती है, जिससे पूरी टांग में लगातार दर्द बना रहता है।

कभी-कभी डिस्क दब जाती है, जिससे मनकों के बीच का गैप कम हो जाता है।

कई बार डिस्क अपनी सीध से बाहर निकल जाती है और कई बार मनकों के बीच का अंतर ज्यादा बढ़ जाता है।

इन सभी परिस्थितियों में साइटिका नर्व पर दबाव पड़ता है और दर्द उत्पन्न होता है।

जिन लोगों के शरीर में वात यानी वायु अधिक बनती है,

उन्हें साइटिका और कमर दर्द की समस्या ज्यादा होती है।

सबसे बड़े दो कारण यही हैं — शरीर में वात की अधिकता और नसों की कमजोरी।

जब शरीर में वात बढ़ता है, तो यह नसों को कमजोर कर देता है और उनमें ऐंठन पैदा करता है। इसीलिए सबसे जरूरी है शरीर से अतिरिक्त वात को बाहर निकालना।

आजकल साइटिका की समस्या इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि अधिकतर लोगों को दिनभर बैठकर काम करना पड़ता है।

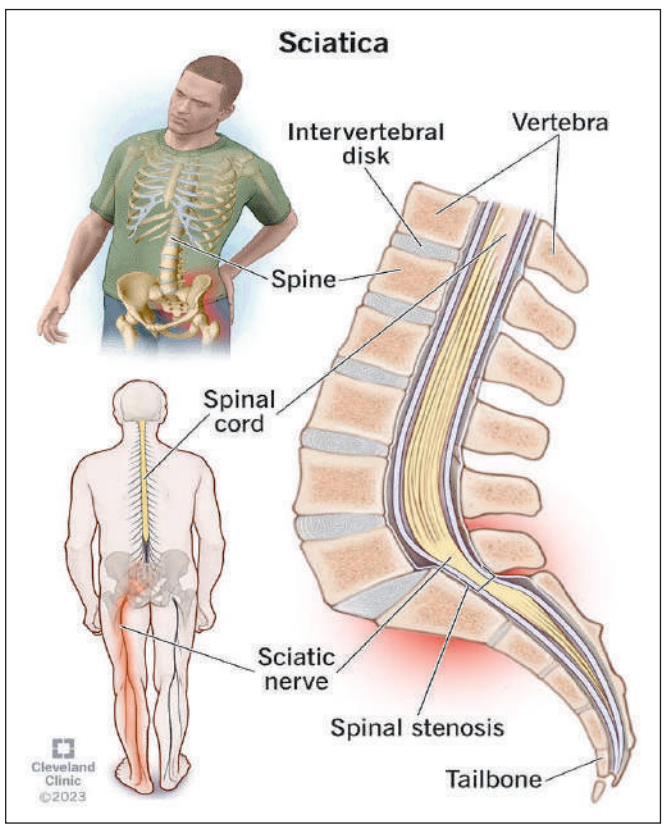

इससे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और साइटिका जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है।

साइटिका दर्द होने के मुख्य कारण

* जो लोग बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करते हैं
* जो लोग भारी वजन उठाते हैं
* जो लोग बिल्कुल भी व्यायाम नहीं करते
* जिनके शरीर में वात जमा होता रहता है

जब शरीर में बहुत अधिक वात इकट्ठा हो जाती है, तो यह डिस्क के अंदर मौजूद छल्लों के बीच के फ्लूड को सुखा देती है।

यह फ्लूड लगभग 80% पानी और 20% प्रोटीन व कैल्शियम से बना होता है।

फ्लूड सूखने के कारण छल्ले आपस में टकराने लगते हैं उनके बीच की जगह खत्म हो जाती है और किसी न किसी नस पर दबाव पड़ जाता है।

जब नस दबती है, तो पूरी टांग में दर्द शुरू हो जाता है यह दर्द मुख्य रूप से टांग के पीछे वाले हिस्से में होता है।

* बैठने पर टांगों में सुन्नपन आने लगता है।
* लेटने पर दर्द ज्यादा महसूस होता है।

जब व्यक्ति खड़ा होकर चलता है, तो शरीर गर्म होने लगता है और धीरे-धीरे साइटिका का दर्द कम होने लगता है।

साइटिका को ठीक करने के उपाय अगर आप डॉक्टरी इलाज की बात करें, तो ज्यादातर मामलों में इसका स्थायी समाधान नहीं होता। कारण यह है कि डॉक्टर एक डिस्क को तो ठीक कर सकते हैं, लेकिन समस्या दोबारा किसी दूसरी डिस्क में हो सकती है।

इसीलिए कुछ ऐसे आयुर्वेदिक और घरेलू उपाय हैं, जिनसे बहुत से लोगों को स्थायी लाभ मिला है।

डॉक्टरी पद्धति में जहां स्थायी इलाज नहीं है, वहीं योग और आयुर्वेद में इसका परमानेंट समाधान संभव है।

1. लहसुन वाला दूध लहसुन दूध स्वाद में भले अच्छा न लगे, लेकिन साइटिका के लिए बहुत असरदार है।

कम से कम 20 दिन तक इसका सेवन करना जरूरी है।

विधि:

* 4–5 लहसुन की कलियां
* लगभग 300 ml दूध
* 1 कप पानी
* स्वादानुसार शहद
* लहसुन छीलकर कुचल लें।
* दूध और पानी के साथ उबालें।
* उबाल आने पर गैस बंद करें और गुनगुना होने दें।
* हल्का ठंडा होने पर शहद मिलाएं (डायबिटीज में न डालें)।

रोज रात सोने से 1 घंटा पहले पिएं।

लहसुन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं,

जो साइटिका नर्व की सूजन को कम करते हैं।

2. हल्दी और तिल के तेल की मालिश

* 1 चम्मच हल्दी पाउडर
* 1 चम्मच तिल का तेल

दोनों को मिलाकर पेस्ट बनाएं और दर्द वाली जगह पर हल्के हाथ से मालिश करें।

दिन में दो बार किया जा सकता है।

ध्यान रखें — बाजार का पाउडर नहीं, गांठ वाली हल्दी को सुखाकर पीसकर इस्तेमाल करें। हल्दी नसों की मरम्मत (Nerve Regeneration) में मदद करती है।

3. हल्दी पानी

* सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में
* ½ चम्मच घर की पिसी हल्दी मिलाकर धीरे-धीरे सिप करके पिएं।

4. शिलाजीत का सेवन शिलाजीत हड्डियों और नसों को मजबूत करता है।

* शिलाजीत को एक चने के बराबर मात्रा में दूध में मिलाकर पिएं।
* 15 दिन तक रोज सेवन करें।

शरीर में वात के असंतुलित होने की वजह से

* जोड़ों में दर्द
* घुटनों का दर्द
* गठिया (Arthritis)
* साइटिका और
* कमर दर्द

जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसीलिए इन सभी रोगों में वात को संतुलित करना सबसे ज्यादा जरूरी होता है।

वात संतुलन के लिए मेथी दाने का सेवन वात को संतुलित करने के लिए एक और बेहद असरदार औषधि है। जिसका उपयोग लोग कई वर्षों से करते आ रहे हैं और इससे उन्हें अच्छे परिणाम भी मिले हैं।

* मेथी दाने
* अश्वगंधा
* विधारा
* सोंठ सफेद तिल (हल्का भुना हुआ)
* बबूल गोंद

को बराबर मात्रा में चूर्ण बनाकर सुबह - शाम सेवन करें।

* मेथी दाने वात दोष को संतुलित करने में मदद करते हैं,
* नसों को मजबूती देते हैं और
* कमर दर्द, साइटिका व जोड़ों के दर्द में धीरे-धीरे आराम पहुंचाते हैं।

मसाला काढ़ा (पुराने कमर दर्द के लिए)

* 1 बड़ी इलायची
* 1 inch दालचीनी
* 3 लौंग
* गुड़

इनसे बना काढ़ा वात और कफ दोष को संतुलित करता है, और हड्डियों को मजबूत करता है और नसों को खोलता है।

खाली पेट सेवन करें।

मसाज और जीवनशैली

* महानारायण तैल
* महामाष तैल
* प्रसारिणी तैल
* महाविषगर्भ तैल

उपयोग का तरीका

* इस तेल से कमर, कूल्हे और पैर में हल्की मालिश करें।
* रोज रात सोने से पहले लगाएं।

औषधियां

* महायोगराज गुगुल
* महावाविध्वंसन रस
* वात गजांकुश रस
* एरंड पाक

याद रखें औषधियों का कुछ समय तक नियमित रूप से सेवन करना चाहिए क्योंकि इस रोग में अक्सर लोग बहुत से अंग्रेजी दवाइयों का सेवन करके निराश हो चुके होते हैं।

इससे साइटिका, नर्व पेन और कमर दर्द में बहुत लाभ मिलता है

* रोज व्यायाम करें
* सही पॉस्चर में बैठें
* धूम्रपान न करें
* एक जगह देर तक न बैठें या खड़े न रहें
* शरीर में पानी की कमी न होने दें

परहेज

* दही
* फूलगोभी
* भिंडी
* उड़द दाल
* ठंडी, तली-भुनी और मसालेदार चीजें
* खट्टी चीजें,
* ठंडी चीजें

इनसे दूर रहें, क्योंकि ये वात को बढ़ाती हैं और नसों को कमजोर करती हैं।

यूरिक एसिड की समस्या? अब दर्द नहीं — राहत पक्की!

पिंकी कुंडू

सिर्फ धनिया की 'जादुई चटनी' बदल सकती है आपकी ज़िंदगी !

आजकल यूरिक एसिड सिर्फ बुज़ुर्गों में नहीं, बल्कि युवाओं में भी तेजी से बढ़ रहा है ! जिसके प्रमुख कारण है

1. गलत खान - पान और बिगड़ी लाइफस्टाइल
* जोड़ों में दर्द
* सूजन
* चलने-फिरने में तकलीफ
* किडनी स्टोन
* गाउट जैसी गंभीर बीमारी का खतरा

2. यूरिक एसिड बढ़ने के नुकसानः

1. जोड़ों में तेज दर्द और सूजन
2. उठने-बैठने में परेशानी
3. किडनी पर बुरा असर
4. गाउट अटैक का रिस्क

लेकिन घबराने की जरूरत नहीं ! आपकी जानकारी के लिए बता दें हरा धनिया शरीर से

* ज़हरीले टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है
* यूरिक एसिड को पेशाब के रास्ते बाहर निकालने में सहायक होता है

3. यूरिक एसिड कंट्रोल करने वाली धनिया चटनी

* सामग्रीः
* धनिया पत्ते – 1 कप
* पुदीना पत्ते – 1 कप
* अदरक – 1 इंच
* नींबू का रस – 1 चम्मच
* हींग – ¼ चम्मच
* हरी मिर्च – स्वादानुसार
* नमक – स्वादानुसार
* बनाने की विधिः

1. सभी पत्तों को अच्छे से धो लें
2. मिक्सर में सारी सामग्री डालकर बारीक पीस लें
3. रोज़ सुबह - शाम खाने के साथ सेवन करें

*** फायदेः**

* यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद
* जोड़ों के दर्द में राहत
* किडनी को मजबूत बनाए
* शरीर को डिटॉक्स करे

"स्वस्थ जीवन ही असली धन है !"

शिव ही सत्य हैं, शिव ही सुंदर हैं।

पिंकी कुंडू

आज हम लेकर आए हैं देवाधिदेव महादेव के 108 कल्याणकारी नाम।

मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से इन 108 नामों का पाठ करता है, भोलेनाथ उसकी समस्त विपत्तियां हर लेते हैं। सुबह स्नान आदि के बाद भगवान शिव की प्रतिमा के सामने घी का दीपक जलाएं, और रुद्राक्ष की माला का उपयोग करके इन नामों का 108 बार जाप करें।

मानसिक शांति और ऊर्जाः इन नामों का जाप करने से मानसिक तनाव में कमी आती है और सकारात्मक ऊर्जा (शक्ति) में वृद्धि होती है।

मनोकामना पूर्तिः सच्चे मन से 108 नामों का स्मरण करने से हर प्रकार की बाधा दूर होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

अखंड सौभाग्य और धनः सोमवार के दिन इनका जाप करने से परिवार में सुख, समृद्धि और अखंड सौभाग्य बना रहता है।

आध्यात्मिक जागृतिः यह साधना आत्मा को शुद्ध करती है और ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है, जिससे आत्मिक उन्नति होती है।

१- ॐ भोलेनाथ नमः
२-ॐ कैलाश पति नमः
३-ॐ भूतनाथ नमः
४-ॐ नंदराज नमः
५-ॐ नन्दी की सवारी नमः
६-ॐ ज्योतिलिंग नमः
७-ॐ महाकाल नमः
८-ॐ रुद्रनाथ नमः
९-ॐ भीमशंकर नमः
१०-ॐ नटराज नमः
११-ॐ प्रलेयन्कार नमः
१२-ॐ चंद्रमोली नमः
१३-ॐ डमरूधारी नमः
१४-ॐ चंद्रधारी नमः
१५-ॐ मलिकार्जुन नमः
१६-ॐ भीमेश्वर नमः
१७-ॐ विषधारी नमः
१८-ॐ बम भोले नमः
१९-ॐ ओंकार स्वामी नमः
२०-ॐ ओंकारेश्वर नमः
२१-ॐ शंकर त्रिशूलधारी नमः
२२-ॐ विश्वनाथ नमः
२३-ॐ अनादिदेव नमः
२४-ॐ उमापति नमः
२५-ॐ गोरापति नमः
२६-ॐ गणपिता नमः
२७-ॐ भोले बाबा नमः
२८-ॐ शिवजी नमः
२९-ॐ शम्भु नमः
३०-ॐ नीलकंठ नमः
३१-ॐ महाकालेश्वर नमः
३२-ॐ त्रिपुरारी नमः
३३-ॐ त्रिलोकनाथ नमः
३४-ॐ त्रिनेत्रधारी नमः
३५-ॐ बर्फानी बाबा नमः
३६-ॐ जगतपिता नमः
३७-ॐ मृत्युन्जन नमः
३८-ॐ नागधारी नमः
३९- ॐ रामेश्वर नमः
४०-ॐ लंकेश्वर नमः
४१-ॐ अमरनाथ नमः
४२-ॐ केदारनाथ नमः
४३-ॐ मंगलेश्वर नमः
४४-ॐ अर्धनारीश्वर नमः
४५-ॐ नागार्जुन नमः
४६-ॐ जटाधारी नमः
४७-ॐ नीलेश्वर नमः
४८-ॐ गलसर्पमाला नमः
४९- ॐ दीनानाथ नमः
५०-ॐ सोमनाथ नमः
५१-ॐ जोगी नमः
५२-ॐ भंडारी बाबा नमः
५३-ॐ बमलेहरी नमः
५४-ॐ गोरीशंकर नमः
५५-ॐ शिवाकांत नमः
५६-ॐ महेश्वराए नमः
५७-ॐ महेश नमः
५८-ॐ ओलोकानाथ नमः
५४-ॐ आदिनाथ नमः
६०-ॐ देवदेवेश्वर नमः
६१-ॐ प्राणनाथ नमः
६२-ॐ शिवम्नमः
६३-ॐ महादानी नमः
६४-ॐ शिवदानी नमः
६५-ॐ संकटहारी नमः
६६-ॐ महेश्वर नमः
६७-ॐ रुंडमालाधारी नमः
६८-ॐ जगपालनकर्ता नमः
६९-ॐ पशुपति नमः
७०-ॐ संगमेश्वर नमः
७१-ॐ दक्षेश्वर नमः
७२-ॐ ग्रेनश्वर नमः
७३-ॐ मणिमहेश नमः
७४-ॐ अनादी नमः
७५-ॐ अमर नमः
७६-ॐ आशुतोष महाराज नमः
७७-ॐ विलवकेश्वर नमः
७८-ॐ अचलेश्वर नमः
७९-ॐ अभयंकर नमः
८०-ॐ पातालेश्वर नमः
८१-ॐ धूधेश्वर नमः
८२-ॐ सर्पधारी नमः
८३-ॐ त्रिलोकिनरेश नमः
८४-ॐ हठ योगी नमः
८५-ॐ विश्लेश्वर नमः
८६- ॐ नागाधिराज नमः
८७- ॐ सर्वेश्वर नमः
८८-ॐ उमाकांत नमः
८९-ॐ बाबा चंद्रेश्वर नमः
९०-ॐ त्रिकालदर्शी नमः
९१-ॐ त्रिलोकी स्वामी नमः
९२-ॐ महादेव नमः
९३-ॐ गढ़शंकर नमः
९४-ॐ मुक्तेश्वर नमः
९५-ॐ नटेषर नमः
९६-ॐ गिरजापति नमः
९७- ॐ भद्रेश्वर नमः
९८-ॐ त्रिपुनाशक नमः
९९-ॐ निर्जेश्वर नमः
१००-ॐ किरातेश्वर नमः
१०१-ॐ जागेश्वर नमः
१०२-ॐ अबधूतपति नमः
१०३-ॐ भीलपति नमः
१०४-ॐ जितनाथ नमः
१०५-ॐ वृषेश्वर नमः
१०६-ॐ भूतेश्वर नमः
१०७-ॐ बैजूनाथ नमः
१०८-ॐ नागेश्वर नमः

चाणक्य नीति

पिंकी कुंडू

नीति के चार मुख्य उपाय - *उपाय-चतुष्टय आचार्य चाणक्य के अनुसार, किसी भी समस्या या विरोधी से निपटने के चार क्रमिक उपाय होते हैं

1. साम शांतिपूर्ण बातचीत, समझाना-बुझाना और आपसी समझ से समाधान निकालना।

2. दाम धन, उपहार या प्रलोभन देकर विरोध को अपने पक्ष में करना।

3. भेद (Bhed) विरोधियों के बीच मतभेद पैदा करना, उनकी एकता को तोड़कर उन्हें कमजोर करना।

4. दण्ड (Dand) जब साम, दाम और भेद असफल हों, तब बल, सज़ा या कठोर निर्णय लेना।

चाणक्य नीति की सीख समस्या का समाधान हमेशा

शांतिपूर्ण मार्ग से शुरू होना चाहिए, बल अंतिम विकल्प होना चाहिए। रणनीति वही सफल है, जो समय और परिस्थिति को समझकर चले।

हाथ की उंगलियों से बनी मुद्राओं से अनेक बीमारियों में लाभ पाएं

पिंकी कुंडू

हाथों की उंगलियों से बनाई जाने वाली विशेष मुद्राएं (आकृतियां) हैं, जो शरीर के पांच तत्वों (अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी, जल) को संतुलित कर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करती हैं। इन्हें प्रतिदिन 40 से 45 मिनट करने से ऊर्जा प्रवाह में सुधार, तनाव से मुक्ति, एकाग्रता में वृद्धि और रोगों के उपचार में मदद मिलती है।

प्रमुख हस्त मुद्राएं और उनके लाभ:

1. ज्ञान मुद्रा (Gyan Mudra): तर्जनी और अंगूठे के पोरों को मिलाकर। एकाग्रता, याददाश्त और मानसिक शक्ति बढ़ाती है, अनिद्रा दूर करती है।

2. प्राण मुद्रा (Pran Mudra): अनामिका, कनिष्ठा और अंगूठे के पोरों को मिलाकर। शरीर में ऊर्जा और रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाती है।

3. वायु मुद्रा (Vayu Mudra): तर्जनी को मोड़कर अंगूठे के आधार पर दबाकर। गैस, जोड़ों के दर्द और वात रोगों में राहत देती है।

4. सूर्य मुद्रा (Surya Mudra): अनामिका को अंगूठे के आधार पर दबाकर। वजन घटाने, मेटाबॉलिज्म तेज करने और थायराइड को नियंत्रित करने में सहायक है।

5. जल मुद्रा (Varun Mudra): कनिष्ठा और अंगूठे के पोरों को मिलाकर। शरीर में तरलता बढ़ाती है, स्किन ग्लो, डिहाइड्रेशन और रक्त विकार में फायदेमंद है।

6. अपान मुद्रा (Apan Mudra): मध्यमा, अनामिका और अंगूठे को मिलाकर। पाचन में सुधार, मधुमेह (Diabetes) और कब्ज में अत्यंत लाभकारी है।

7. शून्य मुद्रा (Shunya Mudra): मध्यमा को अंगूठे के आधार पर दबाकर। कान संबंधी समस्याओं, बहरापन और गले के दर्द में कारगर है।

8. लिंग मुद्रा (Ling Mudra): दोनों हाथों की उंगलियों को फंसाकर, बायां अंगूठा ऊपर। शरीर में गर्मी बढ़ाती है, सर्दी-खांसी और दमा में सहायक।

लाभ और नियमः मुद्राओं के नियमित अभ्यास से सकारात्मक ऊर्जा का विकास, मानसिक तनाव, अवसाद और भय कम होता है। इन्हें सुबह के समय या ध्यान के साथ करना सबसे अधिक फलदायी है।

सदा स्वस्थ रहें

अपने घर के मंदिर में रखें ये बीस पवित्र और जरूरी वस्तुएं एवं कर्ज से मुक्ति पाने के आसन उपाय आओ जानें

पिंकी कुंडू

घर या मंदिर में पूजा करने के लिए कुछ विशेष सामग्री का होना जरूरी है। उन सभी को मिलाकर ही पूजा की जाती है। हालांकि पूजा सामग्री तो बहुत सारी होती है, लेकिन यहां प्रस्तुत है पूजा के 20 प्रतीक वस्तुएं।

१. शालिग्रामः- विष्णु की एक प्रकार की मूर्ति जो प्रायः पत्थर की गोलियों या बटियों आदि के रूप में होती है और उस पर चक्र का चिह्न बना होता है। जिस शिला पर यह चिह्न नहीं होता वह पूजन के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती। यह सभी तरह की मूर्तियों से बढ़कर है और सिर्फ इसी की पूजा का विधान है।

२. शिवलिंगः- शिव की एक प्रकार की मूर्ति जो प्रायः गोलाकार में जनेऊ धारण किए होती है। इसे शिवलिंग कहा जाता है अर्थात शिव की ज्योति। यह सभी तरह की मूर्तियों से बढ़कर है और सिर्फ इसी की पूजा का विधान है। शालिग्राम और शिवलिंग के घर में होने से घर की ऊर्जा में संतुलन कायम होता है और सभी तरह की शुभता बनी रहती है।

३. आचमनः- छोटे से तांबे के लोटे में जल भरकर उसमें तुलसी डालकर हमेशा पूजा स्थल पर रखा जाता है। यह जल आचमन का जल कहलाता है। इस जल को तीन बार ग्रहण किया जाता है। माना जाता है कि ऐसे आचमन करने से पूजा का दोगुना फल मिलता है।

४. पंचामृतः- पंजामृत का अर्थ पांच प्रकार के अमृत। दूध, दही, शहद, घी व शुद्ध जल के मिश्रण को पंचामृत कहते हैं। कुछ विद्वान दूध, दही, मधु, घृत और गन्ने के रस से बने द्रव्य को 'पंचामृत कहते हैं और कुछ दूध, दही, घी, शक्कर, शहद को मिलाकर पंचामृत बनाते हैं। मधुपर्क में घी नहीं होता है। इस सम्मिश्रण में रोग निवारण गुण विद्यमान होते हैं, यह पुष्टिकारक है।

५. चंदनः- चंदन शांति व शीतलता का प्रतीक है। एक चंदन की बट्टी और सिल्ली पूजा स्थल पर रहना चाहिए। चंदन की सुगंध से मन के नकारात्मक विचार समाप्त होते हैं। चंदन को शालग्राम और शिवलिंग पर लगाया जाता है। माथे पर चंदन लगाने ने मस्तिष्क शांत भाव में रहता है।

६. अक्षतः- अत्यंत श्रम से प्राप्त संपन्नता का प्रतीक है चावल जिसे अक्षत कहा जाता है। अक्षत अर्पित करने का अर्थ यह है कि अपने वैभव का उपयोग अपने लिए नहीं, बल्कि मानव की सेवा के लिए करेंगे।

७. पुष्पः- देवी या देवता की मूर्ति के समक्ष फूल अर्पित किए जाते हैं। यह सुंदरता का अहसास जगाने के लिए है। इसका अर्थ है कि हम भीतर और बाहर से सुंदर बनें।

८. नैवेद्यः- नैवद्य में मिठास या मधुरता होती है। आपके जीवन में मिठास और मधुरता होना जरूरी है। देवी और देवता को नैवद्य लगाते रहने से आपके जीवन में मधुरता, सौम्यता और सरलता बनी रहेगी। फल, मिठाई, मेवे और पंचामृत के साथ नैवेद्य चढ़ाया जाता है।

९. रोलीः- यह चुने की लाल बुकनी और हल्दी को मिलाकर बनाई जाती है। इसका एक नाम कुंकूम भी है। इसे रोज नहीं लगाया जाता। प्रत्येक पूजा में इसे चावल के साथ माथे पर लगाते हैं। इसे शुभ समझा जाता है। यह आरोग्य को धारण करता है। रक्त वर्ण साहस का भी प्रतीक है। रोली को माथे पर नीचे से ऊपर की ओर लगाना अपने गुणों को बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

१०. धूपः- धूप सुगंध का विस्तार करती है। सुगंध से आपके मन और मस्तिष्क में सकारात्मक भाव और विचारों का जन्म होता है। इससे आपके मन और घर का वातारवण शुद्ध और सुगंधित बनता है। सुगंध का जीवन में बहुत महत्व है। धूप को अगरबत्ती नहीं कहते हैं। घर में अगरबत्ती की जगह धूप जलाएं। धूप जिसमें जलाते हैं उसका एक अलग से पात्र आता है।

११. दीपकः- पारंपरिक दीपक मिट्टी का ही होता है। इसमें पांच तत्व हैं मिट्टी, आकाश, जल, अग्नि और वायु। कहते हैं कि इन पांच तत्वों से ही सृष्टि का निर्माण हुआ है। अतः प्रत्येक हिंदू अनुष्ठान में पंचतत्वों की उपस्थिति अनिवार्य होती है।

१२. गरुड़ घंटीः- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है, वहां का वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। इससे नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वार खुलते हैं। घर के पूजा स्थान पर गरुड़ घंटी रखी जाती है।

१३. शंखः- जिस घर में शंख होता है वहां लक्ष्मी का वास होता है। शंख सूर्य व चंद्र के समान देवस्वरूप है जिसके मध्य में वरुण, पृष्ठ में ब्रह्मा तथा अग्र में गंगा और सरस्वती नदियों का वास है। तीर्थाटन से जो लाभ मिलता है, वही लाभ शंख के दर्शन और पूजन से मिलता है।

१४. जल कलशः- जल से भरा कलश देवताओं का आसन माना जाता है। दरअसल, हम जल को शुद्ध तत्व मानते हैं, जिससे ईश्वर आकृष्ट होते हैं। इसे मंगल कलश भी कहा जाता है। एक कांस्य या ताम्र कलश में जल भरकर उसमें कुछ आम के पत्ते डालकर उसके मुख पर नारियल रखा होता है। कलश पर रोली, स्वास्तिक का चिह्न बनाकर, उसके गले पर मौली (नाड़ा) बांधी जाती है। जल कलश में पान और सुपारी भी डालते हैं।

१५. कौड़ीः- पुराने समय से कुछ ऐसी परंपराएं या उपाय प्रचलित हैं जिन्हें अपनाने पर देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। पीली कौड़ी को देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। एक-एक पीली कौड़ी को अलग-अलग लाल कपड़े में बांधकर घर में स्थित तिजोरी और जेब में रखने से धन समृद्धि बढ़ती है।

१६. तांबे का सिक्काः- तांबे में सात्विक लहरें उत्पन्न करने की क्षमता अन्य धातुओं की अपेक्षा अधिक होती है। कलश में उठती हुई लहरें वातावरण में प्रवेश कर जाती हैं। यदि कलश में तांबे के पैसे डालते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि के द्वार खुलेंगे। देखने में ये उपाय छोटे से जरूर लगते हैं लेकिन इनका असर जबरदस्त होता है।

१७. पाटः- एक ऐसा पटिया जिस पर उक्त सभी सामग्री को रखा जाता है। कुल लोग सिंहासन (चौकी, आसन) की तरह पाट बनवा लेते हैं। हालांकि आजकल बाजार में बने बनाए मंदिर आने लगे हैं जिसके अंदर यह सभी सामग्री रखी जा सकती है, लेकिन मंदिर और मूर्ति घर में रखना चाहिए या नहीं यह किसी लाल किताब के विशेषज्ञ से पूछकर ही रखें। पाट पर सफेद, पीला या लाल वस्त्र बिझाकर ही उस पर उक्त सामग्री रखी जाती है।

१८. दुर्गा मूर्तिः- दुर्गा जी की स्वर्ण, रजत या ताम्र मूर्ति रखें। अगर ये उपलब्ध न हो सकें, तो मिट्टी की मूर्ति अवश्य होनी चाहिए। लेकिन मूर्ति का साइज बहुत बड़ा नहीं होना चाहिए। चूंकि नवरात्रि में माता की पूजा विशेष रूप से की जाती है इसलिए माता की मूर्ति जरूर होना चाहिए।

१९. गंगा जलः- एक तांबे के बुत ही छोटे से लोटे में गंगाजल भरकर अवश्य रखें। कई बार हमें इस जल की आवश्यकता पड़ती है। गंगाजल का कलश भी जल कलश की तरह रखें।

२०. अन्य सामग्रीः- हल्दी की गांठ, यज्ञोपवीत, बाल मुकुंद और गणेशजी की पीतल की छोटी सी मूर्ति, कर्पूर, इत्र की शीशी, चांदी का सिक्का, नाड़ा (लच्छा), शहद (मधु), इलायची (छोटी), लौंग, खड़ा धनिया, दूर्वा, रुद्राक्ष व स्फटीक की माला और पूजन सामग्री।

कर्ज से मुक्ति पाने के आसन उपाय

ऐसा क्यों होता है कि कभी-कभी कर्ज चुकने का नाम ही नहीं लेता ?कर्ज शब्द का भाव है कि किसी से उधार कुछ धन लिया और बाद मे उस पर कुछ अतिरिक्त धन देकर मुलधन को वापस कर देना। ये सबसे बुरी बीमारी है और अगर एक साल ब्याज की किस्त किसी कारण वष नही दें पाया तो अगले वर्श उस ब्याज को मूलधन मे जोड दिया जाता है और इस प्रकार ब्याज के उपर ब्याज देना पडता है। इसी प्रकार हम हर रोज या हर माह जैसा निष्चित किया गया है उनके हिसाब के मुताबिक ब्याज व मुलधन नही दे सके तो एक दिन ऐसा आऐगा कि हम कर्ज से इतने दब जायेंगे कि पूरी जिन्दगी दबे रहेंगे न खाना अच्छा खा सकेंगे और बच्चो का सही ढंग से पालन पोशण कर पाएंगे। और एक दिन जब कर्ज से ज्यादा दब जायेगें और किसी भी स्थिति मे चुकता नही कर पाएगें तो हमे दिवालिया घोशित कर दिया जाएगा कोई भी आदमी आदर से नही देखेगा और उसे दुनियां के लोग बडी घृणा से देखते है। लोग उसे कुछ भी देना पसन्द नही करते है ।शास्त्रों में मंगलवार और बुधवार को कर्ज के लेन-देन के लिए निषेध किया है। मंगलवार को कर्ज लेने वाला जीवनभर कर्ज नहीं चुका पाता तथा उस व्यक्ति की संतान भी इस वजह परेशानियां उठाती हैं।जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को कभी न कभी अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए कर्ज लेना ही पड़ता है। कई बार व्यक्ति कर्ज को जल्दी चुकाने की इच्छा रखता है, लेकिन कर्ज का अंत नहीं आता है। कर्ज के लेन-देन में वार का भी विशेष महत्व होता है।

यदि व्यक्ति को किसी कारणवश कर्ज लेना पड़े तो वार देखकर लेना हितकर रहेगा।

कर्ज को न बढने दो इसे रोज चुकाओ बिना नागा किए भजन सुमिरन करो ताकि ब्याज और मुलधन दोनो को चुका दिया जाए।

''करि रोज भजन तु भाई। कर्मो की करि लै लाई'' ''फसलॅ पहुंच जाय खलियान''

रोज़मर्रा की जिंदगी और घर-गृहस्ती के कामों के लिए इंसान कमोबेश ऋण लेता रहता है। यह कर्ज तब तक भार नहीं लगता है, जब तक वह चुकता रहता है। लेकिन समस्या तब बढ़ जाती है, जब कर्ज लेकर कर्जा चुकाएं या कर्जे पर कर्जा बढ़ता चला जाए। ऐसा क्यों होता है और ज्योतिष की दृष्टी से इसके कारण निवारणों पर ध्यान दिया जाए तो यह पता चलता है कि इस तरह के कुछ योग होते हैं जिनमे कर्ज चुकने में ही नहीं आता है।

कर्ज और वार का संबंध

सोमवारः- सोमवार की अधिष्ठाता देवी पार्वती हैं। यह चर संज्ञक और शुभ वार है। इस वार को किसी भी प्रकार का कर्ज लेने-देने में हानि नहीं होती है।

मंगलवारः- मंगलवार के देवता कार्तिकेय हैं। यह उग्रएवं क्रूर वार है। इस वार को कर्ज लेना शास्त्रों में निषेध बताया गया है। इस दिन कर्ज लेने के बजाए पुराना कर्ज हो तो चुका देना चाहिए।

बुधवारः- बुधवार के देवता विष्णुहैं। यह मिश्र संज्ञक शुभ वार है, मगर ज्योतिष की भाषा में इसे नपुंसक वार माना गया है। यह गणेशजी का वार है। इस दिन कर्ज देने से बचना चाहिए।

गुरुवारः- गुरुवार के देवता ब्रह्माहैं। यह लघु संज्ञक शुभ वार है। गुरुवार को किसी को भी कर्ज नहीं देना चाहिए, लेकिन इस दिन कर्ज लेने से कर्ज जल्दी उतरता है।

शुक्रवारः- शुक्रवार के देवता इन्द्रहैं। यह मृदु संज्ञक और सौम्य वार है। कर्ज लेने-देने दोनों दृष्टि से अच्छा वार है।

शनिवारः- शनिवार के देवता काल हैं। यह दारुण संज्ञक क्रूर वार है। स्थिर कार्य करने के लिए ठीक है, परंतु कर्ज लेन-देने के लिए ठीक नहीं है। कर्ज विलंब से चुकता है।

रविवारः- रविवार के देवता शिव हैं। यह स्थिर संज्ञक और क्रूर वार है। रविवार को न तो कर्ज दें और न ही कर्ज लें।

कर्ज के पिंड से छुटकारा नहीं हो रहा हो तो प्रत्येक बुधवार को गणेशजी के सम्मुख तीन बार 'ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र' का पाठ करें और यथाशक्ति पूजन करें।

कुंडली के कर्ज कारक योगः

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगल ग्रह को कर्ज का कारक ग्रह माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार मंगलवार को कर्ज लेना निषेध माना गया है। वहीं बुधवार को कर्ज देना अशुभ है क्योंकि बुधवार को दिया गया कर्ज कभी नही मिलता। मंगलवार को कर्ज लेने वाला जीवनभर कर्ज नहीं चुका पाता तथा उस व्यक्ति की संतान भी इस वजह परेशानियां उठाती हैं।जन्म कुंडली के छठे भाव से रोग, ऋण, शत्रु, ननिहाल पक्ष, दुर्घटना का अध्ययन किया जाता है। ऋणग्रस्तता के लिए इस भाव के आलावा दूसरा भाव जो धन का है, दशम-भाव जो कर्म व रोजगार का है, एकादश भाव जो आय का है एवं द्वादश भाव जो व्यय भाव है, का भी अध्ययन किया जाता है। इसके आलावा ऋण के लिए कुंडली में मौजूद कुछ योग जैसे सर्प दोष व वास्तु दोष भी इसके कारण बनते हैं। इस भाव के कारक ग्रह शनि व मंगल हैं।

दूसरे भाव का स्वामी बुध यदि गुरु के साथ अष्टम भाव में हो तो यह योग बनता है। जातक पिता के कमाए धन से आधा जीवन काटता है या फिर ऋण लेकर अपना जीवन यापन करता है। सूर्य लग्न में शनि के साथ हो तो जातक मुकदमों में उलझा रहता है और कर्ज लेकर जीवनयापन व मुकदमेबाजी करता रहता है।12 वें भाव का सूर्य व्ययों में वृद्धि कर व्यक्ति को ऋणी रखता है। अष्टम भाव का राहू दशम भाव के माध्यम से दूसरे भाव पर विष-वमन कर धन का नाश करता है और इंसान को ऋणी होने के लिए मजबूर कर देता है इनके आलावा कुछ और योग हैं जो व्यक्ति को ऋणग्रस्त बनाते हैं।

*** उपर बताएं पाप ग्रह अगर मंगल को देख रहे हों तो भी कर्जा होता है।**

* कुंडली में खराब फल देने वाले घरों (छठे, आठवें या बारहवें) घर में कर्क राशि के साथ हो तो व्यक्ति का कर्ज लंबे समय तक बना रहता है।

* षष्ठेश पाप ग्रह हो व 8 वें या 12 वें भाव में स्थित हो तो व्यक्ति ऋणग्रस्त रहता है।

* छठे भाव का स्वामी हीन-बली होकर पापकर्तरी में हो या पाप ग्रहों से देखा जा रहा हो।

* अगर कुंडली में मंगल कमजोर हो यानि कम अंश का हो तो ऋण लेने की स्थिति बनती है।

* अगर मंगल कुंडली में शनि, सूर्य या बुध आदि पापग्रहों के साथ हो तो व्यक्ति को जीवन में एक बार ऋण तो लेना ही पड़ता है।

* दूसरा व दशम भाव कमजोर हो, एकादश भाव में पाप ग्रह हो या दशम भाव में सिंह राशि हो, ऐसे लोग कर्म के प्रति अनिच्छुक होते हैं।

* यदि व्यक्ति का 12 वां भाव प्रबल हो व दूसरा तथा दशम कमजोर तो जातक उच्च स्तरीय व्यय वाला होता है और 5. निरंतर ऋण लेकर अपनी जरूरतों की पूर्ति करता है।

* आवास में वास्तु-दोष-पूर्वोत्तर कोण में निर्माण हो या उत्तर दिशा का निर्माण भारी व दक्षिण दिशा का निर्माण हल्का हो तो व्यक्ति के व्यय अधिक होते हैं और ऋण लेना ही पड़ता है।

उपाय

* नित्य गोपाल विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

* रविवार तक 10 वर्ष से कम उम्र की कन्याओं को भोजन कराएं।

* हर मंगलवार लाल गाय को गुड़ खिलाएं।

* शनिवार को ऋणमुक्तेश्वर महादेव का पूजन करें।

* मंगल की भातपूजा, दान, होम और जप करें।

* विधि-विधान पूर्वक लक्ष्मी-यन्त्र की स्थापना कर लक्ष्मी-स्तोत्र व कवच का पाठ करें या कराएं।

* मंगल एवं बुधवार को कर्ज का लेन-देन न करें।

* लाल, सफेद वस्त्रों का अधिकतम प्रयोग करें।

* श्रीगणेश को प्रतिदिन दूर्वा और मोदक का भोग लगाएं।

* लक्ष्मी- गायत्री मंत्र 'ॐ महालक्ष्मै च विद्महे, विष्णु पत्नये च धीमहि, तन्नो लक्ष्मिः प्रचोदयात' का जप करें या कराएं।

* श्रीगणेश का अथर्वशीर्ष का पाठ प्रति बुधवार करें।

* शिवलिंग पर प्रतिदिन कच्चा दूध चढ़ाएं।

अपनी राशी अनुसार जाने उधार और कर्ज से बचने के लिए उपाय

मेषः- घोड़े को हरा चारा खिलाए या रोगीयों को औषधि का दान दें।

वृषः- विद्यार्थियों को अध्ययन की सामग्री दान दें।

मिथुनः- हरे पौधों को पानी दें या तोते को हरी मिर्च खिलाए।

कर्कः- 10 वर्ष से कम उम्र वाली कन्या को मिठाई खिला कर भेंट दें।

सिंहः- किन्नर को हरी चुडियां दान दें।

कन्याः- गाय को हरे मूंग खिलाए और हरे वस्त्र पहनें।

तुलाः- जरूरतमंद को हरे वस्त्र दान दें।

वृश्चिकः- कुल देवी देवता को कांसे का दीपक लगाएं।

धनुः- जीवनसाथी को आभूषण या पन्ना रत्न पहनाएं।

मकरः- किसी को ऋण दें या ऋण दिलाने में मदद करें।

कुंभः- किसी वृद्ध को हरे वस्त्र का दान दें।

मीनः- गणेश जी को दूर्वा चढ़ाए।

अवैध कॉलोनियों और अवैध निर्माणों के विरुद्ध मिशन मोड में कार्रवाई करें विभाग : डीसी

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर, 06 फरवरी। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध कॉलोनियों और अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई में सभी विभाग मिशन मोड में कार्रवाई करें, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी न हो। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा और सूचना मिलते ही निर्माण कार्य ध्वस्त किया जाए। आरोपियों पर केस दर्ज करें। डीसी ने डीटीपी विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में पुलिस विभाग को पहले दर्ज मामलों में त्वरित कार्रवाई करने के आदेश दिए गए।

डीटीपी अंजू ने बैठक में बताया कि जनवरी माह में पांच अभियान चलाए गए। इनमें 100 एकड़ से अधिक में हुई प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए 11 एफआईआर दर्ज की गई हैं। डीसी ने कहा कि डीटीपी (जिला नगर योजनाकार) के साथ सभी संबंधित विभाग राजस्व, पुलिस, पंचायत, नगर निकाय मिलकर कार्य करें। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि अवैध निर्माण की कार्रवाई के लिए समय पर पुलिस फोर्स उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रशासनिक टीमें बिना किसी बाधा के मौके पर कार्रवाई कर सकें। डीसी ने कहा कि अवैध कॉलोनियों के कारण शहर का योजनाबद्ध विकास बाधित होता है और सरकार को भारी राजस्व नुकसान झेलना पड़ता है। इस अवसर पर एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली डॉ रमन गुप्ता, डीटीपी अंजु, एसीपी अखिल कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान शिविरों अभी तक कुल शिकायतें 5559 प्राप्त केवल 123 पेंडिंग

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर, 06 फरवरी। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा शुक्रवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों सहित विभिन्न मंचों के माध्यम से जिला प्रशासन को प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने झज्जर जिले से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। डीसी ने बताया कि जिला में आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में अभी तक कुल 5559 शिकायत प्राप्त हुई हैं इनमें से केवल 123 पेंडिंग हैं। पेंडिंग शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

उपायुक्त ने वीसी उपरांत जिलाभर के अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान शिविरों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित प्रत्येक शिकायत का समाधान संवेदनशीलता व गंभीरता से करें। नागरिकों की बातों को ध्यान से सुनें और उनको बताएं कि आपकी समस्या का समाधान तय समय सीमा में कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अगली बैठक में अपने विभाग से संबंधित सभी शिकायतों का अद्यतन एवं संपूर्ण डाटा साथ लेकर पहुंचे, ताकि लंबित शिकायतों की बिंदुवार समीक्षा संभव हो सके।

डीसी ने इस दौरान जिला के सभी सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सीएम विंडो पर आने वाली समस्याओं के समाधान में आपकी भूमिका अहम है। ऐसे में आप शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद हस्ताक्षर करें तथा जिला के नागरिकों की शिकायतों के निवारण हेतु प्रशासन का सहयोग करें।

समीक्षा बैठक में एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे, एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच, एसडीएम बेरी रेणुका नांदल, एसडीएम बादली डॉ रमन गुप्ता, सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट, डीआरओ मनबीर, डीडीपीओ निशा तंवर, एसीपी प्रदीप खत्री, इओ एचएसवीपी विजय राठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्लास्टिक/कचरा जलाने व अवैध औद्योगिक गतिविधियों पर सख्ती, डीएम ने जारी किए आदेश

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर, 5 फरवरी। जिलाधीश स्वप्निल रविंद्र पाटिल, ने जिले में जन स्वास्थ्य की सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किए हैं।

जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि प्राप्त जानकारी के अनुसार झज्जर जिले के गांवों परनाला, निजामपुर रोड, बामनोली, कानोंदा, खैरपुर, लडरावन, सिद्दीपुर, लोवा कलां, लोवा खुर्द सहित अन्य क्षेत्रों में आवासीय एवं कृषि क्षेत्रों के भीतर प्लास्टिक व कचरा जलाने जैसी गतिविधियों के साथ-साथ अवैध औद्योगिक कार्य संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही बिजली कनेक्शनों का उपयोग भी बिना अनुमति औद्योगिक गतिविधियों के लिए किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने और जनशांति बाधित होने की आशंका है।

जिलाधीश ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से उत्पन्न प्रदूषण न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता पर भी गंभीर असर डालता है। परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए व्यापक जनहित में तत्काल निवारक कदम उठाना आवश्यक है।

जारी आदेशों के तहत झज्जर जिले के उपरोक्त क्षेत्रों में आवासीय एवं कृषि भूमि पर प्लास्टिक/कचरा जलाने सहित सभी प्रकार की अवैध औद्योगिक गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। इसके अतिरिक्त हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) की पूर्व अनुमति के बिना औद्योगिक कार्यों के लिए विद्युत कनेक्शन के उपयोग पर भी प्रतिबंध रहेगा। ये आदेश तत्काल प्रभाव से 3 अप्रैल 2026 तक प्रभावी रहेंगे।

इन आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डीसीपी (मुख्यालय) झज्जर, डीसीपी बहादुरगढ़, जिला नगर आयुक्त झज्जर, यूएचबीवीएनएल, जिला नगर योजनाकार (डीटीपी), बीडीपीओ बहादुरगढ़, क्षेत्रीय अधिकारी एचएसपीसीबी बहादुरगढ़ तथा कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

24 कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए आवेदन शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

रोटावेटर सहित अन्य कृषि यंत्रों के लिए 16 फरवरी तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

झज्जर, 6 फरवरी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान एसएमएएम योजना के तहत किसानों को 40 से 50 प्रतिशत अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध करवाने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान 16 फरवरी तक विभाग की वेबसाइट एग्री हरियाणा.जीओवी.आईएन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि व्यक्तिगत श्रेणी के तहत रोटावेटर, आलू बिजाई मशीन, ट्रैक्टर संचालित पावर वीडर, बैटरी/इलेक्ट्रिक/सौर संचालित पावर वीडर, सेल्फ प्रोपेल्ड मल्टी टूल बार, स्व-चालित उच्च क्लीयरेंस बूम स्प्रेयर, लोडर/भूसा कटर के साथ उच्च क्षमता वाला चारा काटने वाला यंत्र, ट्रैक्टर चालित सिलेज पैकिंग मशीन/सिलेज बेलर (1400-1500 किग्रा/घंटा), बैटरी चालित उर्वरक प्रसारक, ट्रैक्टर चालित उर्वरक प्रसारक, ट्रैक्टर संचालित हाइड्रोलिक प्रेस स्ट्रॉ बेलर, सब-सोइलर, मल्टी क्रॉप बेड प्लान्टर/रेज्ड बेड प्लान्टर, विनोइंग फैन, मक्का थ्रेशर/मक्का शेलर, गाय के गोबर से ब्रिकेटिंग मशीन, गोबर निर्जलीकरण मशीन, धान मोबाइल ड्रायर तथा लेजर लैंड लेवलर सहित कुल 24 कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की संख्या निदेशालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक होने की स्थिति में कृषि यंत्रों का चयन उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला कार्यकारी समिति द्वारा ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। चयनित किसान अनुदान पर प्राप्त कृषि यंत्र को पांच वर्षों तक बेच नहीं सकेगा।

उप निदेशक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि व्यक्तिगत आवेदन करने वाले किसान ने आवेदित कृषि यंत्र पर पिछले तीन वर्षों (2022-23, 2023-24 व 2024-25) में अनुदान न लिया हो। साथ ही किसान का रबी सीजन 2024 व खरीफ सीजन 2025 का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना अनिवार्य है।

वहीं सहायक कृषि अभियंता राजीव पाल ने बताया कि आवेदन के दौरान किसान को स्वयं घोषणा पत्र, किसान के नाम भूमि संबंधी दस्तावेज व पटवारी रिपोर्ट (केवल लघु एवं सीमांत किसानों के लिए), अनुसूचित जाति के किसानों हेतु जाति प्रमाण पत्र, पैन कार्ड तथा स्वयं या परिवार पहचान पत्र में दर्ज किसी सदस्य के नाम राज्य में पंजीकृत ट्रैक्टर की वैध आरसी अपलोड करनी होगी। जिला स्तरीय कार्यकारी समिति में चयन के बाद किसानों को सभी संबंधित दस्तावेज सहायक कृषि अभियंता कार्यालय में जमा करवाने होंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि किसान को अनुदान का लाभ केवल एक ही कृषि यंत्र पर दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए किसान सहायक कृषि अभियंता, झज्जर कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी रोजगारपरक जानकारी

- रोजगार कार्यालय द्वारा सरकारी विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दी रोजगारपरक जानकारी

- रोजगार कार्यालय द्वारा सरकारी विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झज्जर,06 फरवरी। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा गत 2 फरवरी से 6 फरवरी तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को रोजगारपरक जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि जिला रोजगार अधिकारी डा. नीलम द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, साल्हावास व माछरोली में छात्रों को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन दिया गया।

वहीं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मातनहेल तथा छुछकवास में सहायक रोजगार अधिकारी सुनीता कुमारी व मयंक अग्रवाल द्वारा छात्रों को व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने छात्रों को न केवल करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दी गई, बल्कि किसी भी क्षेत्र में निपुण बनने के तरीकों पर भी विस्तार से मार्गदर्शन किया।

उन्होंने युवाओं को रोजगार कार्यालय में अधिक से अधिक पंजीकरण कराने बारे व जॉब फेयर, रोजगार विभाग की स्कीमों के बारे में भी जानकारी दी। बच्चों को तकनीकी शिक्षा, स्वरोजगार व कैरियर, केंद्र सरकार की नई एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव योजना के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया, ताकि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठा सके।

भक्तमाल कुटी में "निंबार्क भूषण" डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति महोत्सव 08 फरवरी को

कार्यक्रम में भक्तमाल जयंती के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली विशिष्ट विभूतियों का होगा सम्मान

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। अठखंबा क्षेत्र (निकट श्री मोटे गणेश मन्दिर) स्थित भक्तमाल कुटी में श्रीभक्तमाल परिषद् व ₹निंबार्क भूषण₹ डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्रीभक्तमाल जयंती महोत्सव तथा ₹निंबार्क भूषण₹ निकुंजवासी डॉ. (प्रो.) प्रेम नारायण श्रीवास्तव (हिन्दी विभागाध्यक्ष, प्राच्य दर्शन संस्थान, वृन्दावन) का पुण्य स्मृति महोत्सव 08 फरवरी 2026 को अत्यन्त श्रद्धा और धूमधाम के साथ आयोजित किया जाएगा।

जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 07 बजे से 10 बजे तक सन्त-सेवा, पूजन अर्चन एवं अमनिया वितरण होगा। तत्पश्चात पूर्वाह्न 09 बजे से 12:30 बजे तक सुमधुर संगीतमय श्रीभक्तमाल जी का पाठ व मंगल बधाई समाज गायन सम्पन्न होगा।

उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत विशिष्ट जन सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें धर्म-अध्यात्म के क्षेत्र में शरणागति आश्रम के महंत बिहारीदास भक्तमाली महाराज, संगीत के क्षेत्र में निंबार्क संप्रदाय के समाज मुखिया प्रेमदास महाराज, साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात साहित्यकार ₹यूपी रत्न₹ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख शिक्षाविद् डॉ. प्रताप पाल शर्मा (पूर्व प्राचार्य - प्राच्य दर्शन संस्थान, वृन्दावन) एवं ब्रज संस्कृति के क्षेत्र में प्रख्यात रासाचार्य स्वामी कुंज बिहारी शर्मा (भैयाजी) को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्हें ₹डॉ. प्रेम नारायण श्रीवास्तव स्मृति सम्मान - 2026₹ से अलंकृत किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन सन्त, वैष्णव ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ होगा। कार्यक्रम के संयोजक शुभम श्रीवास्तव ने सभी से इस महोत्सव में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

प्रशासन ने नेशनल हाईवे से हटवाया अतिक्रमण

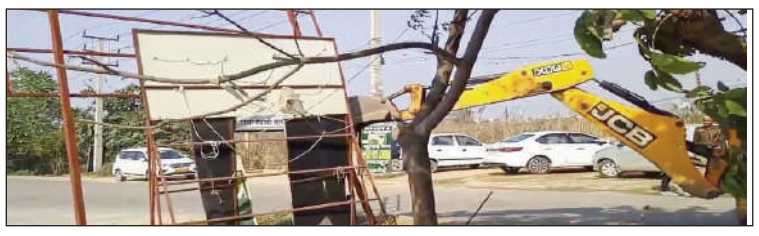

एक्सीडेंट फ्री यातायात के लिए अतिक्रमण पर होगी सख्त कार्रवाई : बोले एसडीएम

बहादुरगढ़, 06 फरवरी। एसडीएम अभिनव सिवाच की देखरेख में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा नेशनल हाईवे पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शांतिपूर्ण एवं नियमानुसार संपन्न कराई गई।

एनएचएआई के अधिकारियों एवं प्रशासनिक अमले ने संयुक्त रूप से अवैध अतिक्रमण के अलावा नेशनल हाईवे क्षेत्र में लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान नेशनल हाईवे की सीमा में अवैध रूप से बनाए गए अस्थायी एवं स्थायी ढांचों को हटाया गया। जिन स्थानों पर अभी अतिक्रमण मौजूद है, वहां संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए।

एसडीएम अभिनव सिवाच ने स्पष्ट किया गया कि नोटिस में निर्धारित समय अवधि के भीतर यदि अतिक्रमण स्वयं नहीं हटाया गया तो समय सीमा समाप्त होने के पश्चात उक्त अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा स्थायी रूप से हटाया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

एसडीएम अभिनव सिवाच ने कहा कि सरकारी भूमि, विशेषकर नेशनल हाईवे क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी इसी प्रकार सरकारी जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी। एसडीएम ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें एक्सीडेंट फ्री यातायात के लिए प्रशासन का सहयोग करें।

एसडीएम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक हित एवं यातायात की सुगमता को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है और आगे भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सभी घटनाओं के सटीक खुलासे और अपराधियों की गिरफ्तारी में सफल टीम इंस्पेक्टर रिकेश सिंह

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां गोविंद नगर पुलिस की सक्रियता पीड़ितों सहायता और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में अग्रणी चल रही है। यही नहीं पुलिस की परिश्रम पूर्ण सक्रियता के फलस्वरूप छोटी बड़ी ऐसी कोई घटना नहीं है ,जिसका सटीक खुलासा करते हुए सभी अपराधियों को जेल का रास्ता ना दिखाया गया हो। सबसे खास बात यह भी कि तत्काल प्रभावी कार्रवाई के फल स्वरूप गोविंद नगर पुलिस अब ऐसी नौबत ही नहीं आने देती कि कोई नेतागिरी कर सके। मतलब आजकल गोविंद नगर से नेतागिरी लगभग खत्म हो चुकी है। जब इसके पहले यहां विभिन्न मामलों को लेकर पुलिस तथा शांति और कानून व्यवस्था के खिलाफ अपराधियों के पक्ष में नेतागिरी करने वालों की भीड़ लगी रहती थी।

अवगत कराते चलें कि गोविंद नगर की कमान आजकल अपनी नौकरी के अब तक के जुझारू कार्यकाल में अनेक शातिरों सबक सिखाने में भी सफल हो चुके तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और बचन के पक्के इंस्पेक्टर रिकेश कुमार सिंह के हाथ में है। भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंस्पेक्टर रिकेश कुमार सिंह सराहनीय प्रगाढ़ सेवा भाव के चलते उनके पास आने वाला कोई भी फरियादी कभी निराश होकर नहीं लौटता। यह कारण है कि किसी को भी थाने में नेतागिरी करने का मौका नहीं मिलता ,जबकि पहले ऐसे ही मौके थाने में बवाल का कारण भी बनते रहे हैं।

अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देशों के अक्षरशः अनुपालन में भी अग्रणी तथा पीड़ितों की तत्काल सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के गोविंद नगर के जुझारू तेवरों वाले रिकेश कुमार सिंह की जनहित में कार्य शैली का ही परिणाम है कि आजकल कोई भी नेता थाने में दिखाई नहीं पड़ता ,क्योंकि इंस्पेक्टर रिकेश खुद ही किसी भी पीड़ित के लिए तब तक जुटे रहते हैं। जब तक उसकी समस्या का संतोषजनक निस्तारण नहीं हो जाता।

इसी के साथ उनकी कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही इंस्पेक्टर रिकेश कुमार सिंह उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करने की वजह से किसी को ऐसा मौका ही नहीं देते कि वह कानून और शांति व्यवस्था के खिलाफ अपनी नेतागिरी चमका सके। इसकी वजह उनका शिवत्व स्वभाव वाला होना है। यहां शिवत्व यानी भगवान शंकर जैसा स्वभाव का सीधा मतलब उचित पात्र की हर संभव सहायता के साथ ही कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत के अनुरूप व्यवहार से है। वैसे भगवान शंकर के स्वभाव में दो और विशेषताएं शामिल हैं पहली है - अनुचित के खिलाफ उनका क्रोध और दूसरी है किसी भी उचित पात्र की सीमाओं के भी पार जाकर सहायता के रूप में असीम कृपा। इस कथन के दायरे से हंसमुख और अपने मजाकिया स्वभाव के फलस्वरुप किसी भी हताश और निराश व्यक्ति के भी चेहरे पर मुस्कान बिखेर देने वाले इंस्पेक्टर रिकेश कुमार सिंह की कार्यशैली भी बाहर नहीं मानी जाती।

जहां तक पुलिस इंस्पेक्टर के रूप में रिकेश कुमार सिंह के सांसारिक कर्तव्य निर्वहन की बात है। कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में अनगिनत पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है, जिसका क्रम गोविंद नगर में भी लगातार जारी है।

ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने केंद्र की विदेश और व्यापार नीति पर उठाए गंभीर सवाल

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते और चीन नीति पर सरकार को घेरा - संसद में पारदर्शिता की मांग - जनहित सर्वोपरि रखने की अपील

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर देश की राजनीति में हलचल तेज़ हो गई है। ठाकुर संजीव कुमार सिंह एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया, व राष्ट्रीय नेता इंडियन नेशनल कांग्रेस ऐआईसीसी एवं मंत्री पद के उम्मीदवार औऱ इंटरनेशनल एक्सपर्ट ने केंद्र सरकार की विदेश और व्यापार नीति पर तीखा हमला बोलते हुए इस समझौते को "समझौता नहीं, बल्कि ढील" करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अमेरिका के सामने भारत का पूरा बाज़ार खोल दिया है, जबकि देशहित और जनभावनाओं को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है।

टैरिफ शून्य करने और 500 अरब डॉलर की खरीद पर सवाल

ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने अमेरिका के उस दावे पर गंभीर आपत्ति जताई, जिसमें कहा गया है कि भारत कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य कर सकता है और बदले में अमेरिका से लगभग 500 अरब अमेरिकी डॉलर के ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और कोयला उत्पादों की खरीद करेगा।

उन्होंने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आर्थिक फैसलों का सीधा असर देश की घरेलू अर्थव्यवस्था, रोज़गार और आम जनता की आजीविका पर पड़ता है, इसलिए सरकार को हर पहलू पर गहन विचार करना चाहिए।

संकट' का मुद्दा

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी डेयरी और कृषि उत्पादों के संभावित आयात पर चिंता जताते हुए ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि इससे परंपराओं की शुद्धता पर प्रश्न खड़े हो सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर अमेरिकी डेयरी उत्पाद भारत में आते हैं, तो भारतीयों के व्रत कैसे चलेंगे? यह केवल व्यापार का नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति से जुड़ा विषय है। स्वदेशी की बात करने वाले सहयोगी आज चुप क्यों हैं?"

18 प्रतिशत टैरिफ से बढ़ा राजनीतिक विवाद

उन्होंने भारतीय उत्पादों पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के फैसले को लेकर भी केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उनका कहना था कि इस निर्णय का वास्तविक प्रभाव ज़मीन पर लागू होने के बाद ही स्पष्ट होगा और बिना ठोस तथ्यों व आंकड़ों के किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाज़ी होगी।

चीन नीति पर भी सरकार को घेरा

इस दौरान ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने चीन के साथ भारत के संबंधों को लेकर भी केंद्र सरकार की नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब विपक्ष और अन्य दलों ने चीन के मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग की, तो विदेश मंत्री पीछे हटते नज़र आए।

उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा विदेश नीति में स्पष्टता का अभाव है और चीन जैसे संवेदनशील विषय पर निरंतर विचार-विमर्श बेहद आवश्यक है।

संसद में पारदर्शिता की मांग

ठाकुर संजीव कुमार सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील से जुड़े सभी पहलुओं पर संसद को पूरी और स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि देशवासियों के बीच किसी भी प्रकार का भ्रम न रहे।

उन्होंने आशंका जताई कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों का असर गरीब वर्ग, मज़दूरों, किसानों और महिलाओं पर पड़ सकता है। इसलिए यह जानना ज़रूरी है कि इन नीतियों से आम जनता को लाभ होगा या नुकसान।

जनहित सर्वोपरि रखने की अपील

अपने बयान के अंत में उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समझौते और व्यापारिक नीतियाँ केवल काग़ज़ी करार नहीं होतीं, बल्कि उनका सीधा संबंध देश की अर्थव्यवस्था और रोज़गार से होता है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर निर्णय में देश की जनता के हितों की पूरी तरह रक्षा सुनिश्चित करे और समय रहते संसद के सामने तथ्यपरक जानकारी रखे।

सत्य वह दौलत है जिसे पहले खर्च करो- जिंदगी भर आनंद पाओ, झूठ वह कर्ज़ है- क्षणिक सुख पाओ जिंदगी भर चुकाते रहो

सच्चाई की राह, सुखद जीवन के लिए विनियोग- झूठ का गंतव्य दुखी जीवन की चरम सीमा -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया- भारत अपनी संस्कृति,आध्यात्मिकता, अहिंसा धर्मनिरपेक्षता,परमो धर्मा और सच्चाई की मूरत राजा हरिश्चंद्र इत्यादि अनेकों विशेषताओं के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से यह मानता हूं कि एक झूठ के पीछे सव झूठ बोलना पड़ता है और झूठ के दलदल में मनुष्य घुसता चला जाता है।जिससे उसकी वर्तमान पीढ़ी तो ध्वस्त होती ही है पर आने वाली पीढ़ियों में भी यह दोष समाया रहता है।

साथियों बात अगर हम सच्चाई की साक्षात मूरत राजा हरिश्चंद्र की करें तो,सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र सदैव सत्य बोलते थे। वह अपने सत्य और न्याय के लिए जाने जाते थे। इसलिए आज भी उनकी कहानियां बड़े सम्मान के साथ सुनाई जाती हैं।हमने अपने बड़े बुजुर्गों से अनेक कई किस्से सुने हैं।हम,आज की जनरेशन करीब-करीब हर सच्चाई वाली बात में इस महान मूरत का नाम ज़रूर जोड़तेहैं।हमारे बड़े बुजुर्गों से हमने कई वाक्य सुने हैं, जैसे सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, सत्य की हार नहीं होती,सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं,सत्यमेव जयते।

साथियों बात अगर हम सत्यमेव जयते इसकी करें तो हम अनेक शासकीय,अशासकीय स्थानों पर इसका उल्लेख ज़रूर देखते हैं।यही सत्य है कि हमेशा सत्य की विजय होती है।

साथियों बात अगर हम भारतीय आध्यात्मिकता की करें तो हमें यही ज्ञान मिलता है कि सत्य व दौलत है जैसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिससे क्षणिक सुख पाओ और जिंदगी भर उसे चुकाते रहो बिल्कुल सत्य वचन!

साथियों यह बात अगर मानव के हृदय में बस जाए तो वाह क्या बात है! हम पृथ्वी लोक में ही स्वर्ग के दर्शन कर सकेंगे।अगर हर भारतीय व्यक्ति चाहे वह सरकारी हो या शासकीय कर्मचारी, मंत्री हो या नेता, कार्यकर्ता हो या मालिक,सभी अगर सत्यता रूपी दौलत को पूरी निष्ठा से खर्च करें अर्थात ईमानदारी से अपनी अफसर शाही ड्यूटी, व्यापार-व्यवसायज दिनचर्या अर्थात जीवन के हर काम हर मोड़ पर सत्यता बरसाएगें तो वह खुद तो जीवन का आनंद जरूर पाएंगें परंतु उससे अधिक भारत को स्वर्ग जैसा सुंदर रचना बनाने में अहम रोल अदा करेगें। भारत एक अपराध मुक्त भारत की परिकल्पना में साकार होगा।कोई अदालत, पुलिस स्टेशन,जांच एजेंसियां नहीं होगी क्योंकि यह सब झूठ और अपराध को काटने के लिए ही बनाई गई हैं।

साथियों बात अगर हम झूठ की करें तो हमने अपने व्यवहारिक जीवन में देखा होगा कि बेईमान, रिश्वतखोर, झूठा, भ्रष्टाचारी, धोखेबाज इत्यादि तरह के मानव कभी अपने जीवन में सुखी नहीं होते। चाहे कितना भी अवैध धन कमा लें,उनके पीछे परिवार का, उनके स्वास्थ्य का, मानसिक हालत हमेशा दुखों में बनी रहती हैउनके शरीर के नसों में झूठ रूपी खून दौड़ता है और इन नकारात्मक झूठे व्यवहारों से उनका क्षणिक आर्थिक सुख मिलता है परंतु उसके लिए उनको जीवन भर कष्टों में गुजारना पड़ता है। जितना क्षणिक सुख प्राप्त होता है वह ब्याज सहित याने अतिरिक्त दुख सहित यहीं इस जीवन में भोगना पड़ता है और फिर अंत में पछताते हैं के ऐसा क्यों हुआ,ऊपर वाले से क्षमा याचना करते हैं।पर कहते हैं ना कि जब चिड़ियां चुग गई खेत,अब पछतावे क्या होए??

साथियों बात अगर हम सत्य की गहराई की करें तो,सत्य दो प्रकार का होता है- एक व्यवहारिक सत्य और दूसरा वास्तविक। व्यवहारिक सत्य का अर्थ है जैसा देखा, जैसा सुना और जैसा अनुभव किया, उसको वैसा ही बोलना सत्य कहलाता है।व्यवहारिक सत्य में हो सकता है, जो एक के लिए सत्य है, वो दूसरे के लिए असत्य हो। वैसे तो हर व्यक्ति अपने मुताबिक अपना सत्य बना लेता है। यह व्यवहारिक सत्य, अनुभव, नजरिए और देश, काल के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। इसलिए इसमें मतभेद की संभावना बनी रहती है।ईमानदार और न्यायवादी व्यक्ति ही सत्य का पालन करता है।यह देखा गया है कि जो लोग ईमानदार होते हैं वह सदैव सच बोलते हैं। झूठे बेईमान और मक्कार लोग सदैव असत्य का फायदा लेकर अपना काम बनाते हैं। हम ऐसे लोगों से बचना चाहिए जो अपने फायदे के लिए (झूठ) असत्य बोलते हैं।सत्य का अर्थ है 'सते हितम्' अर्थात्जिसमें हित या कल्याण निहित हो। सत्य भूत, भविष्य एवं वर्तमान तीनों काल में एक सा रहता है तथा इससे यथार्थ का ज्ञान होता है। साधारण बातचीत में जो सच है, यथार्थ है उसे जानना, समझना, मानना, कहना एवं उसके अनुसार ही व्यवहार करना सत्य है। मानव बोध में सत्य के प्रति श्रद्धा एवं असत्य के प्रति घृणा स्वाभाविक रूप से पाई जाती है।मनुष्य जीवन के लिए सत्य सबसे बड़ी शक्ति हैं।जीवन तथा संसार के सत्य की तलाश कर उसे जीवन में अपनाना मानव मात्र का मूल उद्देश्य हैं।हमारी संस्कृति में सत्य को बड़ा महत्व दिया गया हैं।इस सम्बन्ध में एक महापुरुष ने ठीक ही कहा कि सत्य परेशान हो सकता है मगर पराजित नहीं. भारत की भूमि पर हरिश्चन्द्र जैसे राजा हुए जिनकी सत्यनिष्ठा के चलते वे सत्यवादी कहलाए।सत्य के रास्ते पर चलकर व्यक्ति बड़ी-बड़ी समस्या का समाधान आसानी से कर सकता है।सत्य के मार्ग पर चलकर कई लोगों ने सफलता प्राप्त कर अपना और अपने परिवार का भला किया है।सत्य के मार्ग पर चलकर कई लोगों ने सफलता प्राप्त कर दुनिया को बदला है। सत्य बोलने से व्यक्ति को सभी सम्मान देते हैं।ऐसा कहा जाता है कि तीन चीजें छुपाए नहीं छुपती- सूरज, चंद्रमा और सत्य। जो लोग सत्य का, न्याय का पक्ष लेते हैं उनकी प्रशंसा सभी लोग करते हैं।सत्य का साथ देने वालों को इतिहास स्वर्णिम पन्नों पर दर्ज करता है। परंतु जो लोग झूठ,असत्य का साथ देते हैं उनकी चारों ओर आलोचना होती है।किसी ने खूब ही कहा है कि

चन्द्र टरै, सूरज टरै, टरै जगत व्यवहार।'
पै दृढ़ हरिश्चन्द्र को टरै न सत्य विचार।..
सांच बराबर तप नहीं, झूंठ बराबर पाप।
जाके हृदय सांच है, ताके हृदय आप

किसी ने धर्म के दस लक्षण बताए हैं, जिनमें सत्य भी प्रमुख स्थान रखता है।

'धृतिः क्षमा दमोऽस्तेयं शौचमिन्द्रियनिग्रहः। धीविद्या सत्यमक्रोधो दशकं धर्मलक्षणम्।।'

अर्थात धैर्य, क्षमा, संयम, अस्तेय (चोरी न करना), शौच (अंतर्मन और शरीर की पवित्रता), इन्द्रिय निग्रह (इन्द्रियों से धर्म सम्मन आचरण), धी (सत्बुद्धि), विद्या, सत्य एवं अक्रोध यानी हमेशा शांत रहना।

अतः अगर हम पूरे उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करेंगे तो हम पाएंगे के सत्य व दौलत है जिसे पहले खर्च करो फिर जिंदगी भर आनंद पाओ और झूठ वह कर्ज है जिसमें सैनिक सुख पाओ फिर जिंदगी भर जो करते रहो और सच्चाई की राह सुखद जीवन के लिए एक विनियोग है तथा झूठ का गंतव्य दुखी जीवन की चरम सीमा है

परम-ओंकार मंदिर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ सरस काव्य सम्मेलन

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

मथुरा। टाउनशिप स्थिति ओंकारेश्वर कॉलोनी के परम ओंकार मंदिर में शब्द सृजन संस्था (पंजीकृत), दिल्ली एन.सी.आर. के द्वारा सरस कवि सम्मेलन का आयोजन शक्तिधाम मंदिर के अधिष्ठाता आचार्यश्री पीताम्बर महाराज के पावन सानिध्य में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।

काव्य सम्मेलन का शुभारंभ शब्द सृजन संस्था (पंजीकृत), दिल्ली एन.सी.आर. के संस्थापक अध्यक्ष, सुप्रसिद्ध साहित्यकार, विश्व रिकॉर्ड धारक डॉ. राजीव कुमार पाण्डेय (प्रधानाचार्य, इण्टर कालेज, सेरसा) के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ।तत्पश्चात डॉ. ओंकार त्रिपाठी (दिल्ली) ने ऑपरेशन सिन्दूर, अध्यक्षता कर रहे रूयूपी रत्नर डॉ. गोपाल चतुर्वेदी (वृन्दावन) ने समाज में समरसता, राजीव सिंघल (गाजियाबाद) ने होली पर आधारित गीत, गार्गी कौशिक (गाजियाबाद) ने नारी शक्ति व होली, रेणु उपाध्याय रब्रजरेणुर ने नंदोत्सव व ब्रज होली, रुपेश धनगर (मथुरा) ने श्रृंगार रस व डॉ. राधाकांत शर्मा (वृन्दावन) ने ब्रजभाषा में ठाकुर श्रीराधा-कृष्ण व ब्रज की होली पर आधारित अपनी रचनाओं प्रस्तुत की।जिन पर सभी श्रोताओं ने तालियां बजा कर उनका उत्साह वर्धन किया।

कार्यक्रम के संयोजक व संचालन कर रहे डॉ. राजीव पांडेय ने सभी कवियों का स्वागत-सम्मान पटुका ओढ़ाकर व मोतियों की माला पहनाकर किया।साथ ही उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर टाउनशिप स्थिति शक्तिधाम मंदिर के अधिष्ठाता व प्रख्यात भागवत प्रवक्ता आचार्यश्री पीताम्बर महाराज, श्रीमती उमादेवी पाण्डेय (मैनपुरी), श्रीमती सरस्वती पाण्डेय, संकल्प पाण्डेय, बन्टेश शर्मा, सतेंद्र शर्मा, डॉ. आदर्श धनगर आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन अल्पाहार के साथ हुआ।

युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीबों की आकांक्षाओं को सशक्त करने वाला बजट

केंद्रीय बजट युवा के रोजगार एवं राष्ट्र के विकास को समर्पित

केंद्रीय बजट को युवाओं के रोजगार, राष्ट्र के समग्र विकास और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम।

केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत आम बजट देश की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी पहल। यह बजट न केवल वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, बल्कि भविष्य की जरूरतों को भी प्रभावी ढंग से संबोधित करता है।

पिछले साढ़े 11 वर्षों में देश ने जो विकास यात्रा तय की है, उसी का प्रतिफल है कि आज 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर भारत के विकास में सहभागी बन रहे हैं। जब नीति स्पष्ट होती है और नीयत साफ़ होती है, तो परिणाम भी उसी अनुरूप सामने आते हैं।

पीएम मोदी जी ने हमेशा अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों पर बल दिया है। यह पहला बजट है जो कर्तव्य भवन में प्रस्तुत हुआ और जिसमें रिफॉर्म, ग्रोथ और फिस्कल डिसिप्लिन का स्पष्ट संदेश दिखाई देता है। बजट में नागरिकों के मूल कर्तव्यों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया है।

बजट में शिक्षा, रोजगार, इंफ्रास्ट्रक्चर और मध्यम वर्ग को राहत देने पर विशेष जोर दिया गया है, जो देश की अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगा।

युवाओं के कौशल विकास, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन और विभिन्न विकास कार्यों के लिए किए गए प्रावधान इस बजट की प्रमुख विशेषताएं हैं।

इन कदमों से न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि नवाचार और उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह बजट देश को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की ओर और अधिक मजबूती के साथ अग्रसर करने में अहम भूमिका निभाएगा।

कुल मिलाकर, यह बजट समावेशी विकास और आर्थिक सशक्तिकरण का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है, जिससे देश के हर वर्ग को लाभ मिलने की उम्मीद हैं।

उत्तर प्रदेश को मिलेगा विशेष लाभ

किसान, युवा, महिलाएं और गरीब इस बजट के केंद्र में हैं। एमएसएमई सेक्टर के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे उत्तर प्रदेश को विशेष लाभ मिलेगा, क्योंकि देश की सर्वाधिक 96 लाख एसएमएमई इकाइयां यूपी में हैं।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर सात नए रेलवे कॉरिडोर में से दो उत्तर प्रदेश को मिले हैं।

रोजगार और औद्योगिक विकास को बढ़ावा बजट में 10 हजार करोड़ रुपये से बायोफार्मा हब विकसित करने का प्रावधान किया गया है, जिस पर उत्तर प्रदेश सरकार सक्रियता से कार्य कर रही है।

ग्राम स्वराज योजना के शुभारंभ देश में सर्वाधिक गांव यूपी में हैं, इसलिए इस योजना का सर्वाधिक लाभ भी यहीं मिलेगा।

ढाई लाख बुनकरों को इस बजट से सीधा लाभ होगा। साथ ही पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के विकास की योजना से उत्तर प्रदेश के लगभग 200 नगरों को फायदा मिलेगा।

मेरठ को स्पोर्ट्स प्रोडक्शन हब के रूप में विकसित किए जाने और अप्रैल - मई तक मेरठ खेल विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य को पूरा इससे खेल और रोजगार दोनों क्षेत्रों को नई दिशा मिलेगी।

देश में पांच आयुर्वेद केंद्र विकसित किए जाएंगे, जिनमें काशी के लिए आयुर्वेद केंद्र की मांग पहले ही की जा चुकी है।

डिफेंस, आईटी और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को मजबूती डिफेंस कॉरिडोर के छह नोड उत्तर प्रदेश में विकसित किए जा रहे हैं, जिसके लिए 12,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे यूपी के लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भी अपार संभावनाएं हैं।

महिला कार्यबल यूपी में महिला भागीदारी पहले 12 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 36 प्रतिशत हो चुकी है। शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था भी की जा रही है।

पर्यटन क्षेत्र सरकार के थोड़े से प्रयास से भी इस सेक्टर में बड़े और सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं।

2026 का बजटः मील का पत्थर

2026 के बजट को रोजगारोन्मुख और राष्ट्र के विकास के लिए मील का पत्थर।

बजट का 23 प्रतिशत, यानी लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये, इंफ्रास्ट्रक्चर और जॉब क्रिएशन के लिए निर्धारित किया गया है।

भारत को वैश्विक डिजिटल हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम। आईटी सेक्टर के लिए 40 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और विदेशी क्लाउड कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए 2047 तक टैक्स में छूट दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी के बीच सकारात्मक संबंधों का परिणाम है कि कई वस्तुओं पर लगने वाला टैक्स घट गया है।

एक ओर देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित हाथों में है, वहीं दूसरी ओर सीएम योगी जी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश तेजी से तरक्की कर रहा हैं।

केंद्रीय बजट देश की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक सकारात्मक, दूरदर्शी और समावेशी कदम है। शिक्षा, रोजगार, इंफ्रास्ट्रक्चर और मध्यम वर्ग को राहत देने वाले प्रावधान देश की अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे और भारत को आत्मनिर्भरता की राह पर और सशक्त बनाएंगे।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर सामाजिक समरसता संगोष्ठी का आयोजन किया गया

परिवहन विशेष न्यूज

बरेली। विश्व हिंदू महासंघ बरेली इकाई के तत्वावधान में संत शिरोमणि रविदास जयंती के पावन अवसर पर "सामाजिक समरसता" विषयक संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार, 06 फरवरी 2026 को झालर पीपल मंदिर, रिठौरा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. महंत सुखराम दास जी (प्रदेश महामंत्री, धर्माचार्य प्रकोष्ठ) एवं मुख्य वक्ता नीरज सैनी जी (प्रदेश महामंत्री, गौ रक्षा प्रकोष्ठ) रहे।

विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश मंत्री अशोक अग्रवाल, प्रदेश मंत्री राजेश मौर्य 'बबलू', मंडल प्रभारी ओमपाल मौर्य, प्रदेश मंत्री (धर्माचार्य प्रकोष्ठ) डॉ. वाल व्यास रोहित नंदन जी तथा भाजपा किसान मोर्चा आंवला के जिला अध्यक्ष नीरज पटेल जी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास का जीवन सामाजिक समानता, मानव गरिमा और भाईचारे का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने संत रविदास के संदेश "मन चंगा तो कठौती में गंगा" को आत्मशुद्धि और सामाजिक सद्भाव का मार्गदर्शक बताया तथा सामाजिक भेदभाव समाप्त कर समरस समाज के निर्माण हेतु संतों के विचारों को व्यवहार में अपनाने पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवेश कुमार पटेल जी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने श्रम की प्रतिष्ठा स्थापित कर समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मानपूर्वक जीवन जीने की प्रेरणा दी। एवं जाति पाति का भेदभाव को ख़त्म करना पहला उदेश्य है उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता केवल विचार नहीं, बल्कि समान व्यवहार और आपसी सहयोग से ही साकार होती है।इसके साथ मे ही जिलाध्यक्ष ने बिथरी चैनपुर ब्लॉक अध्यक्ष श्री नमन शर्मा को नियुक्त किया जाता है और उन्हें संघठन को और आगे बढ़ाये

कार्यक्रम का कुशल संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं सभासद रिठौरा मनोज कश्यप जी तथा जिला मीडिया प्रभारी सौरभ गिरी जी ने किया। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता सुरेशपाल सिंह जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तुत सुरमधुर भजनों एवं गीतों ने वातावरण को भावपूर्ण एवं भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री पुनीत शर्मा, रामौतार पाठक, सूर्य प्रकाश शर्मा, पंकज अग्रवाल, मुकेश राठौर, सुनील पटेल,वीरपाल सिंह,केशव सिंह, रमन चतुर्वेदी सहित नगर पंचायत, ब्लॉक एवं तहसील स्तर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।जिलाध्यक्ष देवेश कुमार पटेल ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्य, कार्यकर्ताओ का कार्यक्रम को सफल बनाने के धन्यवाद, सनातन धर्म की जय हो से समाप्त किया जय श्री राम

भाखड़ा ब्यास इंप्लाइज यूनियन (एटक - ऐफी) ने 12 फ़रवरी की देश व्यापी हड़ताल के समर्थन में की गेट मीटिंग

संगरूर,6 फरवरी (जगसीर लोगोंवाल)-

आज हिसार उपकेंद्र पर भाखड़ा ब्यास इंप्लाइज यूनियन एटक ऐफी शाखा हिसार कि मीटिंग शाखा प्रधान श्री हवासिंह की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में विषेश तौर से युनियन महासचिव श्री सुरेश कुमार सैनी ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए बोर्ड की कर्मचारी विरोधी नितियों अवगत कराते हुए बी बी एम बी में कार्यरत तमाम कर्मचारियों से एक जुट होकर बोर्ड की कर्मचारी विरोधी नितियों का सामना करने हेतु अनुरोध किया और केन्द्र की ट्रेड यूनियन द्वारा 12 फ़रवरी की देश व्यापी हड़ताल के समर्थन में भाखड़ा ब्यास इंप्लाइज यूनियन एटक

ऐफी केंद्रीय कार्यकारणी ने पहले ही पत्र संख्या 981-993 दिनांक 28.01.2026 को बोर्ड अध्यक्ष को लिखा गया है। महासचिव श्री सुरेश कुमार सैनी ने गेट मीटिंग एवं प्रेस के माध्यम से भा ब्या इ यु एटक ऐफी की सभी शाखाओं के प्रधान सचिवों से 12 फ़रवरी कि देश व्यापी हड़ताल में अपने अपने केंद्रों पर जोरदार प्रदर्शन करने का आग्रह किया,और हाल ही में बोर्ड द्वारा मुख्य अभियंता पारेषण प्रणाली को पार्ट टाइम जॉब को आउटसोर्सिंग करने के सम्बन्ध निकाले गए पत्र को निंदनीय बताते हुए उक्त पत्र का कड़े शब्दों में विरोध किया और गेट मीटिंग के माध्यम से महासचिव श्री सुरेश कुमार सैनी ने बोर्ड प्रबंधन एवं सम्बंधित अधिकारियों को चेतावनी दी है कि अगर पार्ट टाइम जॉब को आउटसोर्सिंग किया तो संगठन कोई भी संघर्ष करने हेतु बाध्य होगा और किसी भी उपकेंद्र पर किसी भी तरह से प्रस्थिति बिगड़ने की सारी जिम्मेदारी उक्त पत्र को जारी करने वाले एवं उसे लागू करने वाले अधिकारी कि होगी। इस समय शाखा सचिव श्री करतार सिंह, श्री अशोक कुमार, श्री शाहिल कुमार, श्री महेन्द्र सिंह व अन्य साथियों ने भी विचार साझा किए।

हरे पेड़ों की क्रूर कटाई: बढ़ता पर्यावरणीय संकट

● डॉ. विजय गर्ग

पृथ्वी पर जीवन के लिए पेड़ अपरिहार्य हैं। वे: कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) को अवशोषित करके जलवायु को नियंत्रित करें। यह एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस है और ऑक्सीजन (O2) को मुक्त करता है। वर्षा जल को पकड़कर तथा मृदा कटाव को कम करके जल चक्र का समर्थन करें। वन्य जीवन की अनगिनत प्रजातियों के लिए आवास उपलब्ध कराएं। हवा को शुद्ध करके, छाया प्रदान करके, तथा लकड़ी और अन्य संसाधनों की आपूर्ति करके मनुष्यों को लाभान्वित करें।

हवा में हल्के से झूलते हरे-भरे पेड़ों की छवि शांति, सद्भाव और जीवन की भावना को जागृत करती है। पेड़ न केवल मनोरम पृष्ठभूमि हैं, बल्कि वे पारिस्थितिक स्थिरता के जीवित, सांस लेने वाले स्तंभ हैं। फिर भी, दुनिया भर में जंगलों को खतरनाक दर से नष्ट किया जा रहा है, अक्सर हरे पेड़ों की क्रूर कटाई के कारण। यह विनाश न केवल भूदृश्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करता है, जलवायु परिवर्तन को गति देता है, तथा भावी पीढ़ियों की भलाई को खतरे में डालता है।

हरे पेड़ क्यों महत्वपूर्ण हैं

पृथ्वी पर जीवन के लिए पेड़ अपरिहार्य हैं। वे: कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) को अवशोषित करके जलवायु को नियंत्रित करें। यह एक प्रमुख ग्रीनहाउस गैस है और ऑक्सीजन (O2) को मुक्त करता है। वर्षा जल को पकड़कर तथा मृदा कटाव को कम करके जल चक्र का समर्थन करें। वन्य जीवन की अनगिनत प्रजातियों के लिए आवास उपलब्ध कराएं।

हवा को शुद्ध करके, छाया प्रदान करके, तथा लकड़ी और अन्य संसाधनों की आपूर्ति करके मनुष्यों को लाभान्वित करें।

संक्षेप में, पेड़ पर्यावरणीय संतुलन के आवश्यक संरक्षक हैं।

पेड़ गिरने का भयावह पैमाना

हाल के दशकों में, दुनिया भर में वनों की कटाई बढ़ गई है। वैश्विक अनुमानों के अनुसार, हर साल लाखों हेक्टेयर जंगल नष्ट हो जाते हैं - यह दर एक छोटे से देश के आकार के जंगलों को नष्ट करने के बराबर है। यह क्षति विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक है, जहां जैव विविधता सबसे अधिक है।

इस विनाश का अधिकांश हिस्सा हरे, जीवित पेड़ों को लक्षित रूप से हटाने से उत्पन्न होता है - न कि केवल पहले से ही क्षतिग्रस्त भूमि की सफाई से। इसका अर्थ यह है कि जीवंत जीवन वाले समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्रों का त्याग किया जा रहा है। क्रूर वृक्ष कटाई के पीछे के कारण

वाणिज्यिक लॉगिंग

लकड़ी, कागज और लकड़ी के उत्पादों की वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए कई जंगलों की कटाई की जाती है। लकड़ी निर्माण, फर्नीचर और फास्ट-फैशन उद्योगों में प्रवेश करती है — अक्सर टिकाऊ प्रथाओं को सुनिश्चित किए बिना।

कृषि विस्तार

पाम तेल, सोया और मवेशी पालन जैसी फसलों के लिए कृषि भूमि बनाने हेतु बड़े-बड़े जंगलों को साफ किया जाता है। कई क्षेत्रों में, छोटे किसान विस्थापित हो रहे हैं और भूमि अधिकारों का विनियमन ठीक से नहीं किया जा रहा है, जिससे वनों की हानि बढ़ रही है।

शहरी विकास

जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ती है, शहरों का विस्तार वन क्षेत्रों में होता जाता है। सड़कें, आवास और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पेड़ों को व्यवस्थित रूप से हटाने में योगदान देती हैं।

अवैध लॉगिंग

कुछ क्षेत्रों में, भ्रष्टाचार, कमजोर प्रवर्तन और आकर्षक ब्लैक-मार्केट लकड़ी की बिक्री के कारण बिना अनुमति या निगरानी के पेड़ काटे जाते हैं। पर्यावरणीय परिणाम जैव विविधता का नुकसान

पेड़ अनगिनत प्रजातियों का घर हैं। जब जंगलों को क्रूरतापूर्वक नष्ट कर दिया जाता है, तो पशु अपने आवास खो देते हैं और विलुप्त हो जाते हैं। जलवायु परिवर्तन त्वरण

पेड़ काटने पर कार्बन का भंडारण करते हैं, जिससे वह वायुमंडल में निकल जाता है, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव बढ़ जाता है। जल चक्र में व्यवधान

पेड़ों के बिना, वर्षा का पैटर्न बदल जाता है और मिट्टी का कटाव बढ़ जाता है, जिससे सूखा और बाढ़ आ जाती है।

स्थानीय समुदायों पर प्रभाव

स्वदेशी लोग और ग्रामीण समुदाय अक्सर भोजन, चिकित्सा और सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए जंगलों पर निर्भर रहते हैं। वनों की कटाई से उनकी जीवनशैली बाधित होती है।

स्वस्थ जंगल के संकेत बनाम. एक गिरा हुआ

क्रूर कटाई के बाद स्वस्थ जंगल

घने वृक्षों का आवरण बंजर भूमि समृद्ध वन्य जीवन कुछ जीवित प्रजातियाँ स्थिर मृदा कटाव और भूस्खलन विनियमित जल प्रवाह, अचानक बाढ़ या सूखा

हरित भविष्य की ओर: क्या किया जा सकता है?

हरे पेड़ों की क्रूर कटाई को रोकना असंभव नहीं है, लेकिन इसके लिए वैश्विक सहयोग और व्यक्तिगत कार्रवाई की आवश्यकता है

सतत वानिकी का समर्थन करें

जिम्मेदार संगठनों द्वारा प्रमाणित लकड़ी और कागज उत्पादों की तलाश करें जो यह सुनिश्चित करते हैं कि पेड़ों को पुनः लगाया जाए।

कानून और प्रवर्तन को मजबूत करें

सरकारों को अधिक मजबूत सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए तथा अवैध कटाई पर कार्रवाई करनी चाहिए।

पुनर्वनीकरण को बढ़ावा दें

वृक्षारोपण से क्षतिग्रस्त भूमि को पुनर्स्थापित करने में मदद मिलती है तथा पारिस्थितिकी तंत्र का पुनर्निर्माण होता है।

जागरूकता बढ़ाएँ

पेड़ों के मूल्य के बारे में शिक्षा लोगों और समुदायों को जंगलों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करती है। 5. उपभोग कम करें

कम लकड़ी के उत्पादों का उपयोग करने और विकल्प चुनने से जंगलों पर दबाव कम हो जाता है।

निष्कर्ष

हरे-भरे पेड़ों की क्रूर कटाई हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। सौंदर्यशास्त्र से परे, जंगल हमारे ग्रह के फेफड़े हैं - जलवायु संतुलन, जैव विविधता और मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक। इस संकट की तात्कालिकता को पहचानने और अभी कार्रवाई करने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है कि भावी पीढ़ियां एक हरित, स्वस्थ विश्व का उत्तराधिकारी बनें।

सेवानिवृत्त प्रधान शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद
स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट
पंजाब -152107

इलाज के नाम पर लूट

(देश की हॉस्पिटल व्यवस्था में मुनाफ़ाख़ोरी, इंश्योरेंस और सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग और आम आदमी की बेबसी)

- डॉ० प्रियंका सौरभ

आज देश की हॉस्पिटल व्यवस्था जिस हालत में पहुँच चुकी है, वह किसी एक व्यक्ति की पीड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों आम नागरिकों का साझा अनुभव बनती जा रही है। इलाज, जो कभी सेवा और संवेदना का क्षेत्र माना जाता था, अब धीरे-धीरे मुनाफ़े का ऐसा संगठित उद्योग बन चुका है, जहाँ इंसान की बीमारी से ज़्यादा उसकी जेब, उसका इंश्योरेंस और उसका सामाजिक दर्जा देखा जाता है। बड़े-बड़े निजी अस्पतालों की चमक-दमक, एयर-कंडीशन्ड गलियारे और आधुनिक मशीनें बाहर से भले ही तरक्की का भ्रम पैदा करती हों, लेकिन भीतर एक ऐसी व्यवस्था काम कर रही है जो आम आदमी के लिए किसी आर्थिक यातना से कम नहीं है।

आज अगर कोई साधारण व्यक्ति किसी बड़े अस्पताल में इलाज कराने जाता है, तो सबसे पहला सवाल उसकी बीमारी को लेकर नहीं, बल्कि उसकी भुगतान क्षमता को लेकर होता है। रिसेप्शन पर, एडमिशन काउंटर पर या डॉक्टर से मिलने से पहले ही यह पूछा जाता है कि आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस है या नहीं, आप सरकारी नौकरी में हैं या प्राइवेट, कैश में भुगतान करेंगे या कैशलेस। इस एक सवाल के जवाब से मरीज का पूरा इलाज तय हो जाता है। जैसे ही यह स्पष्ट होता है कि मरीज इंश्योरेंस कवर में है या किसी सरकारी/कॉर्पोरेट स्कीम के अंतर्गत आता है, अस्पताल का रवैया पूरी तरह बदल जाता है। इलाज की जगह एक योजनाबद्ध कमाई की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

इंश्योरेंस होने का मतलब होना चाहिए सुरक्षा, लेकिन आज के समय में यह कई निजी अस्पतालों के लिए खुली छूट का लाइसेंस बन चुका है। ज़रूरत से ज़्यादा महँगी दवाइयाँ लिख दी जाती हैं, जिनके सस्ते और समान प्रभाव वाले विकल्प आसानी से उपलब्ध होते हैं। ऐसे-ऐसे टेस्ट कराए जाते हैं जिनका न तो बीमारी से सीधा संबंध होता है और न ही इलाज की दिशा तय करने में कोई ठोस भूमिका। एमआरआई, सीटी स्कैन, बार-बार की ब्लड जाँच, स्पेशल पैनल टेस्ट—सब कुछ "रूटीन" के नाम पर जोड़ दिया जाता है। मरीज और उसके परिजन डॉक्टर की बात पर आँख मूँदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि डॉक्टर उनके भले के लिए ही ऐसा कर रहे हैं, जबकि हकीकत कई बार इससे उलट होती है।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब मरीज की हालत में सुधार हो जाने के बावजूद उसे अस्पताल में रोके रखा जाता है। जो मरीज सामान्य परिस्थितियों में चार-पाँच दिन में डिस्चार्ज हो सकता है, उसे जानबूझकर दस-पंद्रह दिन तक भर्ती रखा जाता है। कारण साफ़ है—जितने ज़्यादा दिन भर्ती, उतना ज़्यादा बिल। बेड चार्ज, नर्सिंग चार्ज, डॉक्टर विज़िट, दवाइयाँ, कंज़्यूमेबल्स—हर दिन के साथ बिल फूलता चला जाता है। मरीज की सेहत से ज़्यादा ध्यान अब इस बात पर होता है कि इंश्योरेंस क्लेम की सीमा पूरी तरह इस्तेमाल हो जाए।

इस पूरी प्रक्रिया में आम आदमी सबसे ज़्यादा असहाय होता है। उसे न तो मेडिकल ज्ञान होता है और न ही अस्पताल की जटिल बिलिंग प्रणाली को समझने की क्षमता। अगर कोई सवाल करता है तो उसे डराया जाता है कि इलाज प्रभावित हो सकता है, या फिर तकनीकी शब्दों में ऐसा उलझा दिया जाता है कि वह चुप रह जाना ही बेहतर समझता है। कई बार मरीज के परिजन यह भी महसूस करते हैं कि उन्हें जानबूझकर भ्रम में रखा जा रहा है, लेकिन बीमार व्यक्ति की जान दाँव पर लगी हो तो विरोध करने का साहस बहुत कम लोग कर पाते हैं।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कोई बहुत संतोषजनक नहीं है। वहाँ इलाज सस्ता या मुफ्त तो है, लेकिन भीड़, संसाधनों की कमी और अव्यवस्था के कारण मरीजों को घंटों लाइन में लगना पड़ता है। बेड की कमी, स्टाफ की कमी और दवाइयों की अनुपलब्धता के चलते कई लोग मजबूरी में निजी अस्पतालों की ओर रुख करते हैं। इस मजबूरी का फायदा निजी अस्पताल बखूबी उठाते हैं। एक तरह से सरकारी व्यवस्था की कमजोरी, निजी लूट को और मज़बूत कर रही है।

स्वास्थ्य बीमा योजनाएँ, जिनका उद्देश्य आम आदमी को आर्थिक सुरक्षा देना था, आज कई मामलों में उल्टा असर डाल रही हैं। इंश्योरेंस कंपनियाँ और अस्पतालों के बीच एक अघोषित गठजोड़ सा दिखाई देता है, जिसमें मरीज सिर्फ़ एक माध्यम बनकर रह जाता है। फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर बनाए गए बिल, अनावश्यक प्रक्रियाएँ और पैकेज सिस्टम के नाम पर तयशुदा लूट—ये सब अब अपवाद नहीं, बल्कि आम चलन बनते जा रहे हैं। दुखद यह है कि इस पूरे खेल में नैतिकता कहीं पीछे छूट जाती है।

यह भी देखने में आता है कि एक ही बीमारी के इलाज का खर्च अलग-अलग मरीजों के लिए अलग-अलग होता है। जिसके पास इंश्योरेंस नहीं है, उसके लिए इलाज "कम खर्च" में समेट दिया जाता है, और जिसके पास इंश्योरेंस है, उसके लिए वही बीमारी कई गुना महँगी हो जाती है। इससे बड़ा विरोधाभास और क्या हो सकता है? बीमारी तो एक-सी है, इलाज भी लगभग वही है, लेकिन बिल में ज़मीन-आसमान का अंतर सिर्फ़ भुगतान के स्रोत के कारण।

इस स्थिति का सबसे भयावह पहलू यह है कि धीरे-धीरे लोगों का चिकित्सा व्यवस्था से भरोसा उठता जा रहा है। डॉक्टर, जिन्हें कभी भगवान का दर्जा दिया जाता था, अब शक की नज़र से देखे जाने लगे हैं। हर पर्ची, हर टेस्ट और हर सलाह पर सवाल उठने लगा है कि यह ज़रूरी है या सिर्फ़ कमाई का ज़रिया। यह अविश्वास पूरे समाज के लिए खतरनाक है, क्योंकि बिना भरोसे के कोई भी व्यवस्था लंबे समय तक टिक नहीं सकती।

सरकार की ज़िम्मेदारी यहाँ बेहद अहम हो जाती है। स्वास्थ्य को सिर्फ़ बाज़ार के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। सख़्त रेगुलेशन, पारदर्शी बिलिंग सिस्टम और प्रभावी निगरानी के बिना निजी अस्पतालों पर अंकुश लगाना मुश्किल है। इलाज की दरों, बेड चार्ज, टेस्ट और दवाइयों की कीमतों पर स्पष्ट और कड़ाई से लागू होने वाले नियम होने चाहिए। इंश्योरेंस क्लेम की प्रक्रिया में स्वतंत्र ऑडिट और शिकायत निवारण की मजबूत व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए, ताकि मरीज को न्याय मिल सके।

इसके साथ-साथ सरकारी अस्पतालों को मज़बूत करना भी उतना ही ज़रूरी है। जब तक आम आदमी को भरोसेमंद, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सरकारी स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिलेंगी, तब तक वह निजी अस्पतालों की लूट का शिकार होता रहेगा। स्वास्थ्य को खर्च नहीं, बल्कि निवेश मानकर देखना होगा—निवेश, जो देश की सबसे बड़ी पूंजी, यानी उसके नागरिकों के जीवन में किया जाता है।

आख़िर में सवाल सिर्फ़ व्यवस्था का नहीं, बल्कि सोच का भी है। क्या हम इलाज को सिर्फ़ मुनाफ़े का साधन मानने को तैयार हैं, या फिर उसे इंसानियत और सेवा से जोड़कर देखना चाहते हैं? अगर समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वह दिन दूर नहीं जब बीमारी से ज़्यादा डर इलाज के बिल से लगने लगेगा। और जब इलाज डर का कारण बन जाए, तब समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था गंभीर रूप से बीमार हो चुकी है—और उसका इलाज अब टालना, पूरे समाज के लिए घातक साबित हो सकता है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

आखिर घाटे वाले विदेश व्यापार को मुनाफे वाले कारोबार में कब और कैसे बदलेगा भारत?

कमलेश पाण्डेय

भारत की सियासत 'वैचारिक अकाल' से पीड़ित है, जिसका असर हमारे घरेलू कारोबार के अलावा विदेश व्यापार पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। सच कहूं तो राष्ट्र की 'आर्थिक स्वायत्तता' ही चीन और रूस जैसे देशों के समक्ष गिरवी प्रतीत हो रही है। यह ठीक है कि रूस हमारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मददगार मित्र है, जिसके द्वारा शोषण किया जाना स्वाभाविक है। लेकिन चीन जैसे मजबूत और पड़ोसी शत्रु देश को इतना भारी कारोबारी लाभ देने के बावजूद यदि हम उसे अपना मित्र नहीं बना पाए तो यह बात सिर्फ यही चुगली करती है कि हमारी आंतरिक दलित और पिछड़ी नीतियों की वजह से भारत रणनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पिछड़ता प्रतीत होता हैं। यही वजह है कि आर्थिक विशेषज्ञ यह सवाल दाग रहे हैं कि आखिर घाटे वाले विदेश व्यापार को मुनाफे वाले अंतरराष्ट्रीय कारोबार में कब और कैसे बदलेगा भारत?

देखा जाए तो भारत का विदेश व्यापार वर्तमान में भारी घाटे में है, जो दिसंबर 2025 में 25 अरब डॉलर तक पहुंच गया। विपरीत स्थिति यानी कारोबारी घाटा चीन, रूस, यूएई और इराक जैसे 75 देशों के साथ है जहां व्यापार घाटा हमेशा बना रहता है, क्योंकि यहां से आयात निर्यात से बहुत ज्यादा होता है। इसलिए हमारा सरकारी प्रयास निर्यात बढ़ाने पर केंद्रित हैं, लेकिन अधिशेष (सर्विस ट्रेड को छोड़कर गुड्स ट्रेड में) प्राप्त करने का कोई निश्चित समयसीमा नहीं है। वर्तमान स्थिति में भारत का व्यापार घाटा एफवाई (FY) 2026 के पहले क्वार्टर में एफटीए (FTA) देशों के साथ 59% बढ़कर चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया, जहां निर्यात 9% गिरा और आयात 10% बढ़ा। आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2025 में यह 25.04 अरब डॉलर रहा, जबकि अनुमान 2027 तक -32 अरब डॉलर का है। यानी वर्तमान के साथ साथ निकट भविष्य भी अंधकारमय है।

खासकर रूस, चीन और आसियान जैसे साझेदारों के साथ ही घाटा प्रमुख समस्या बनी हुई है। रूस तो भारत का भरोसेमंद मित्र है, हथियार व तकनीकी आपूर्तिकर्ता है। लेकिन चीन के खिलाफ आसियान देश समूह को संतुलित करने/रखने की नीति हम पर अब भारी महसूस हो रही है। लुक ईस्ट की नीति भी सफेद हाथी साबित हुई। हां, लाभ देने वाले पश्चिमी देशों को यदि विकल्प दिखाकर काबू में रखना है तो फिर कुछ नहीं कहना। क्योंकि यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होते ही अमेरिकी अकड़ ढीली पड़ गई और उसके साथ भी एफटीए हो गया।

हालांकि भारत की कारोबारी चुनौतियाँ यह हैं कि चीन, रूस और कोरिया के अलावा स्विट्जरलैंड, यूएई, इराक जैसे देशों से आयात अधिक है, जबकि अमेरिकी कूटनीतिक व रणनीतिक टैरिफ ने निर्यात प्रभावित किया, जबकि अब इसका खतरा टल गया है क्योंकि अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, एफटीए (FTA) के बावजूद आसियान निर्यात गिरा, और सोना-तेल आयात घाटा बढ़ा रहा। मसलन, लॉजिस्टिक्स, अनुपालन लागत और वैश्विक टैरिफ हमारे विदेश व्यापार की प्रमुख बाधाएँ हैं। फिर भी भविष्य की संभावनाएँ बरकरार हैं। खासकर घाटा कम करने के लिए निर्यात विविधीकरण, जीवीसी (GVC) एकीकरण और अवसंरचना सुधार आवश्यक हैं, लेकिन पूर्वानुमान 2027 तक भी घाटा दिखाते हैं।

कहना न होगा कि भारत का विदेश व्यापार घाटा मुख्य रूप से चीन, रूस, स्विट्जरलैंड, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ है। दरअसल, यह घाटा ऊर्जा आयात, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल की उच्च निर्भरता के कारण बढ़ रहा है। इसलिए भारत को नीतिगत दूरदर्शिता दिखाते हुए इन घाटों पर काबू पाना होगा। आंकड़े बताते हैं कि भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से अधिकांश (शीर्ष 10 में 9) के साथ हमारा घाटा वाला कारोबार है:-

पहला, चीन: सबसे बड़ा घाटा (2024-25 में $99.2 बिलियन, 2025 में $116 बिलियन तक), वजह- इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, APIs और केमिकल्स आयात से।

दूसरा, रूस: $57 बिलियन (2023-24), वजह- मुख्यतः कच्चा तेल आयात से।

तीसरा, यूएई: $9.47 बिलियन, वजह- तेल और सोना आयात।

चतुर्थ, स्विट्जरलैंड: वजह- सोना और घड़ियां आयात से।

पांचवां, इराक: वजह- कच्चा तेल।

छठा- सऊदी अरब: वजह- कच्चा तेल।

बताया जाता है कि उपर्युक्त देशों से घाटे के कारण रणनीतिक तैयारियों में कमियां और भीतरघात की सियासत व कूटनीति है। इन देशों से व्यापार घाटा का मतलब है कि भारत में इन देशों से आयात ज्यादा है, जबकि इन देशों को भारत से निर्यात कम होने से है, खासकर ऊर्जा (तेल 80% आयातित) और मैन्युफैक्चरिंग इनपुट्स क्षेत्र में। जहां चीन के साथ संकीर्ण निर्यात (कच्चा माल), बाजार बाधाएं, और सस्ते आयात की समस्या है। वहीं, रूस/यूएई से तेल आयात में वृद्धि, और निर्यात सम्बन्धी बाधाएं हैं। इस तरह से मुक्त व्यापार समझौते (FTA) वाले देशों के साथ घाटा 59% बढ़ा (2025-Q1) है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2025 में कुल घाटा $25 बिलियन तक पहुंच चुका है। वित्त वर्ष (FY) 25 में चीन के साथ यह रिकॉर्ड उच्च स्तर है। जबकि सरकार पीएलआई (PLI) जैसी आकर्षक योजना से आयात कम करने की कोशिश कर रही है।

सवाल है कि मुक्त व्यापार समझौता (FTA) वाले देश कौन कौन से हैं जिनके साथ भारत का घाटा बढ़ा है, तो जवाब होगा कि भारत के एफटीए (FTA) देशों के साथ व्यापार घाटा अप्रैल-जून 2025 (Q1 FY26) में 59.2% बढ़कर $26.6 बिलियन हो गया है। कहने का तातपर्य यह कि भारत में आयात 10% बढ़े जबकि निर्यात 9% गिरे, जो हमारी रणनीतिक आर्थिक चौकसी में कमी को दर्शाता है

नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, निम्नलिखित देश भारत के विदेश व्यापार घाटे में योगदान दे रहे हैं। इन देश/समूह से कारोबारी घाटे का कारण/ट्रेंड निम्नलिखित हैं-

पहला, आसियान (ASEAN) समूह के देशों यानी सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड को निर्यात में 16.9% गिरावट (सिंगापुर -13.3%, मलेशिया -39.7%) आई।

दूसरा, यूएई से आयात बिल बढ़ा, जबकि निर्यात 2.1% गिरा।

तीसरा, दक्षिण कोरिया से आयात बढ़ोतरी हुई।

चतुर्थ, जापान से भी आयात बढ़ोतरी देखी गई।

पंचम, ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में -8.7% से -10.9% कमी आई।

छठा, सऊदी अरब को भी निर्यात -8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

इसका कारण आसियान (ASEAN) के साथ पुनर्संमझौता में देरी और आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, तेल की वृद्धि हुई; जबकि निर्यात में कमी आई है। वहीं, FTA पुनः समझौता (renegotiation) भी लंबित है। शायद इसलिए सरकारी रणनीतियाँ बदली हैं। अब एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (EPM) के तहत 25,060 करोड़ रुपये की योजना 2025-31 तक चल रही, जिसमें ब्याज सब्वेंशन, क्रेडिट गारंटी और ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 2023 (बिना समाप्ति तिथि) निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाती है, SEZ को मजबूत करती है और RoDTEP जैसे स्कीम्स बहाल किए गए। जबकि चीन से घाटा कम करने हेतु पीएम नरेंद्र मोदी ने द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। वहीं, निर्यात बढ़ाने वाली योजनाएँ: (जैसे NIRYAT PROTSAHAN) MSME को लक्षित कर रही हैं, जो लंबी अवधि में अधिशेष की दिशा में ले जा सकती हैं। कोई विशिष्ट समयसीमा नहीं, लेकिन सुधारों से 1-2% GDP पर CAD स्थिर रह सकता है।

वहीं, भारत सरकार ने निर्यात बढ़ाने के लिए कई प्रमुख योजनाएं शुरू की हैं, जो मुख्य रूप से MSME, श्रम-प्रधान क्षेत्रों और पहली बार निर्यात करने वालों पर केंद्रित हैं। ये योजनाएं वित्तीय सहायता, लॉजिस्टिक्स सुधार और बाजार पहुंच को मजबूत करती हैं।

पहला, निर्यात संवर्धन मिशन (EPM) के तहत 2025-26 से 2030-31 तक 25,060 करोड़ रुपये की प्रमुख योजना चलाई जा रही है, जो MSME और श्रम-गहन निर्यात को बढ़ावा देती है। इसमें ब्याज सब्सिडी, क्रेडिट गारंटी (20,000 करोड़ तक), ई-कॉमर्स निर्यात क्रेडिट कार्ड और बाजार पहुंच सहायता शामिल है।

दूसरा, क्रेडिट गारंटी योजना (CGSE) निर्यातकों के लिए 100% सरकारी गारंटी वाली यह योजना संपार्श्विक-मुक्त ऋण उपलब्ध कराती है, विशेषकर MSME को अतिरिक्त कार्यशील पूंजी देती है। यह 31 मार्च 2026 तक वैध है और नए बाजारों में प्रवेश आसान बनाती है।

तीसरा, RoDTEP (Remission of Duties and Taxes on Exported Products) के तहत निर्यात पर लगने वाले कर्तव्यों की प्रतिपूर्ति करता है।

चतुर्थ, PLI स्कीम्स (Production Linked Incentive) अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने पर प्रोत्साहन देती हैं।

पंचम, जिला निर्यात हब अंतर्गत जिलों में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों की पहचान और प्रोत्साहन जारी है।

छठा, पीएम (PM) गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति अंतर्गत लॉजिस्टिक्स लागत घटाने पर फोकस किया गया है।

इस प्रकार सरकार अब उपर्युक्त सभी योजनाओं के कार्यान्वयन पर भी फोकस कर रही है, क्योंकि ये योजनाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर परिणाम-आधारित हैं, जो 'विकसित भारत @2047' लक्ष्य को सपोर्ट करती हैं। MSME को प्राथमिकता से निर्यात विविधीकरण और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

ट्रेड डील-जीत को हार बताने की कोशिश

राजेश कुमार पासी

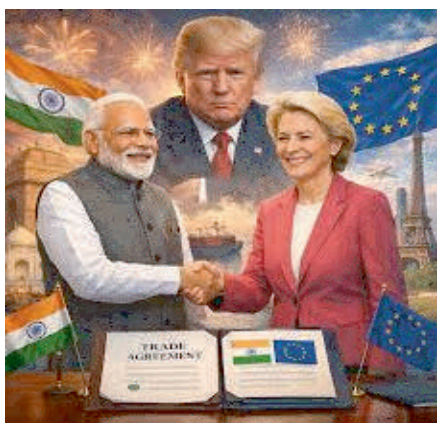

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता हो गया है हालांकि अभी उस पर हस्ताक्षर नहीं किये गए हैं। जो लोग आरोप लगा रहे थे कि मोदी के कारण दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हो पा रहा है और हमारे देश पर अमेरिका ने 50% टैरिफ लगाया हुआ है, वही लोग अब कह रहे हैं कि मोदी झुक गए हैं और देशहित से समझौता कर लिया है। देश के किसान और छोटे व्यापारी इस समझौते से बर्बाद हो जाएंगे। इस समझौते की अहमियत कम करने के लिए कहा जा रहा है कि अमेरिका ने टैरिफ को 25% से घटाकर 18% कर दिया है जबकि सच्चाई यह है कि भारत पर टैरिफ 50% से घटकर 18% हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया में कहा है कि भारत ने रूस से तेल खरीदने से मना कर दिया है जबकि भारत सरकार ने ऐसा कोई आश्वासन नहीं दिया है। अजीब बात है कि जो विपक्ष पिछले 6 महीनों से लगातार कह रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप से डरकर मोदी सरकार ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है, वही विपक्ष अब कह रहा है कि अमेरिका के दबाव में अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। सवाल यह है कि अगर 6 महीने पहले ही भारत ने तेल खरीदना बंद कर दिया था तो अब कैसे दोबारा यही काम होगा।

भारत में विपक्ष और उसका समर्थक वर्ग झूठ बोलने का इतना आदी हो गया है कि उसे पता नहीं चलता कि उसने कल क्या बोला था। अगर अमेरिका से व्यापार समझौता नहीं हो रहा था तो उसके लिए मोदी सरकार जिम्मेदार है और अब हो गया है तो मोदी सरकार को श्रेय देने की जगह कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। राहुल गांधी बोल रहे हैं कि मोदी ने भारत को बेच दिया है जबकि सच्चाई यह है कि ये बात वो पिछले 11 साल से लगातार बोल रहे हैं। अगर इस समझौते से भारत को बेचा गया है तो अभी तक भारत नहीं बिका था। एक चीज़ बार-बार तो नहीं बिक सकती। अगर भारत आज बिका है तो पहले नहीं बिका था। राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि वो 11 साल से किसके बिकने का शोर मचा रहे थे। क्या व्यापार समझौता करके कोई देश बिक सकता है, अजीब बात कही जा रही है। अमेरिका से समझौता नहीं होने से अगर भारत का नुकसान हो रहा था तो समझौता होने से क्यों नुकसान होगा।

विपक्ष को पता ही नहीं है कि वो चाहता क्या है। उसे हर हाल में सरकार का विरोध करना है और हर काम के लिए उसकी आलोचना करनी है। जीत को भी हार बताना है, ताकि सरकार को किसी भी तरह का श्रेय न मिले। विपक्ष का कहना था कि अगर समझौता नहीं हुआ तो भारत में बेरोजगारी पैदा होगी, देश को आर्थिक नुकसान होगा। जब समझौता हो गया है तो फिर कहा जा रहा है कि इससे देश बर्बाद हो जाएगा। विपक्ष तय नहीं कर पा रहा है कि समझौता होने से देश बर्बाद होगा या नहीं होने से होगा। वास्तव में विपक्ष को हर समय देश की बर्बादी दिखाई देती है, उसकी कोई वजह होने की जरूरत नहीं है। उसे लगता है कि मोदी सरकार देश बर्बाद करने ही आई है, इसलिए उसका हर कदम देश को बर्बादी की ओर ले जा रहा है।

कुलदीप सिंह ढालीवाल ने अजनाला हलके की सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों को 5-5 लाख रुपये के चेक वितरित किए

अजनाला/अमृतसर, 6 फरवरी (साहिल बेरी) –

मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आम आदमी पार्टी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में गांवों के विकास में नए मुकाम हासिल किए हैं। ये विचार अजनाला हलके के विधायक सरदार कुलदीप सिंह ढालीवाल ने आज अपने हलके के आठ गांवों—बिकरूर, बरलास, हाशमपुरा, सैदपुर खुर्द, शालीवाल, शेख भट्टी, सैदो घाजी और पंजग्राईं निज्जर—की सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों को 5-5 लाख रुपये के चेक वितरित करते हुए व्यक्त किए।

इस मौके पर विधायक सरदार कुलदीप सिंह ढालीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाबियों से वादा किया था कि सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों को पुरस्कार के तौर पर 5 लाख रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मान सरकार ने अपना वादा निभाते हुए अजनाला हलके के लगभग 46 गांवों को 2 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि जारी की है। उन्होंने कहा कि इन गांवों के लोगों ने अपनी पंचायतों को सर्वसम्मति से चुना, जिसके तहत राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक पंचायत को 5 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

ढालीवाल ने कहा कि पंचायतें इस राशि को अपनी इच्छा अनुसार गांवों के विकास कार्यों पर खर्च कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि यह राशि गांवों के विकास कार्यों में काफी प्रभावी साबित होगी। उन्होंने कहा कि मान सरकार

वर्ष 2026 को विकास वर्ष के रूप में मना रही है और गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए आगे भी अधिक ग्रांट जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार चुनावों के दौरान लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा कर रही है।

विधायक ढालीवाल ने कहा कि पिछली सरकारें केवल खोखले नारे लगाती थीं, जबकि वर्तमान सरकार ने जमीनी स्तर पर काम किया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य है जहां मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली, मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं और मुफ्त यात्रा जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं।

इस दौरान सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और विधायक कुलदीप सिंह ढालीवाल का 5-5 लाख रुपये की विशेष ग्रांट देने के लिए धन्यवाद किया।

विधायक रामदास ने ग्रामीणों से मुलाकात कर सुनी समस्याएं

सर्वसम्मति से चुनी गई 26 पंचायतों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक वितरित

अमृतसर, 6 फरवरी (साहिल बेरी)

मुख्यमंत्री पंजाब सरदार भगवंत सिंह मान की सरकार गांवों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और वर्ष 2026 को विकास वर्ष के रूप में मनाया जाएगा।

ये विचार अटारी हलके के विधायक सरदार जसविंदर सिंह रामदास ने विभिन्न गांवों में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आम लोगों के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और वे गांव-गांव जाकर लोगों को इन योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान भी कर रहे हैं। सरदार रामदास ने कहा कि देश के इतिहास में पंजाब ऐसा पहला राज्य बन गया है, जहां लोगों को मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बस यात्रा और मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाई गई है।

इस अवसर पर सरदार रामदास ने सर्वसम्मति से चुनी गई 26 पंचायतों — भडियार, बागड़ियां, लाहौरी मल्ल, मुहावा, राजाताल, गल्लूवाल, जठौल, भकना कलां, खासा बाजार, चीचा नौध सिंह, हीर, मालूवाल, कोटली मियां खां, वरपाल खुर्द, बध, आबादी नरैनपुरा, बाबा टहल सिंह नगर, डेरा बाबा गनी शाह, गुरबख्श सिंह वाला, झीता चेत सिंह वाला, कंबो, कोटला दल सिंह, किशनपुरा, माणकियाना, पंडोरी लुबाणा और रामपुरा — को पांच-पांच लाख रुपये के चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि पंचायतें इस राशि का उपयोग अपने गांवों के विकास कार्यों में अपनी आवश्यकता अनुसार कर सकती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि जो पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी जाएंगी, उन्हें पांच-पांच लाख रुपये दिए जाएंगे और यह वादा पूरा किया गया है। सरदार रामदास ने मुख्यमंत्री पंजाब का धन्यवाद करते हुए बताया कि उन्होंने रामदास हलके की सर्वसम्मति से चुनी गई पंचायतों के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि जारी की है, जिसे आज विभिन्न गांवों में वितरित किया गया।

इस अवसर पर बीडीपीओ वेरका बिक्रमजीत सिंह, बीडीपीओ अटारी अमनदीप शर्मा, पूर्व चेयरमैन हरदेव सिंह लाली, रणदीप सिंह, हरगोबिंद सिंह, हरमेश सिंह, सरपंच गुरप्रीत सिंह, करज सिंह, सरपंच पिंटू, जग रूप सिंह कोटला, निशान सिंह, सरताज सिंह, संदीप सिंह, गुरसिमरनजीत सिंह मान, मनप्रीत सिंह, बलजिंदर सिंह, अमोलक सिंह, पुनीत कुमार, मनजीत सिंह, अवतार सिंह, लखबीर सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर द्वारा "ऑपरेशन गैंगस्ट्रन ते वार" के तहत शहरभर में विशेष कार्रवाई

अमृतसर/06 फरवरी (साहिल बेरी)

कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर द्वारा कैंपेन गैंगस्ट्रन ते वार के तहत 20 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक लगातार खुफिया जानकारी के आधार पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करना, उनके सहयोगियों एवं रिश्तेदारों को गिरफ्तार करना, घोषित अपराधियों (पीओ) को पकड़ना तथा शहर में नशीले पदार्थों, अवैध हथियारों, शराब तस्करी और वाहन चोरी जैसी संगठित आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाना था।

इस अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर कुल 631 छापेमारी की गई। इस दौरान कुल 269 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 09 गैंगस्टर सहयोगी, 04 गैंगस्टर के रिश्तेदार तथा 256 अन्य विभिन्न अपराधों में शामिल अपराधी शामिल हैं।

अभियान के तहत 479 व्यक्तियों के खिलाफ निवारक कार्रवाई भी की गई, जिनमें 16 गैंगस्टर सहयोगी, 08 गैंगस्टर रिश्तेदार और 455 अन्य अपराधी शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, 05 गैंगस्टर सहयोगियों, 04 गैंगस्टर रिश्तेदारों तथा 123 अन्य व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी जांच-पड़ताल की गई।

इस सख्त कार्रवाई के तहत 19 घोषित अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया गया। साथ ही, अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए पुलिस टीमों द्वारा 15 ट्रैवल एजेंटों और गन हाउस की भी जांच की गई।

अभियान के दौरान बरामदगी:

* 21 पिस्तौल और 01 बंदूक
* 70 जिंदा कारतूस और 02 मैगजीन
* 2 किलो 989 ग्राम हेरोइन
* 1280 नशीली गोलियां
* ₹8,66,260/- ड्रग मनी
* 204 ग्राम सोना
* 74 बोतल अवैध शराब
* 32 दोपहिया वाहन, 02 चारपहिया वाहन और 01 तिपहिया वाहन
* 27 मोबाइल फोन
* 01 लाठी, 01 हथौड़ा और 01 लोहे की रॉड

यह बरामदगी संगठित अपराध और उसके सहयोगी नेटवर्क पर की गई कार्रवाई की व्यापकता और प्रभावशीलता को दर्शाती है।

कमिश्नरेट पुलिस अमृतसर ने शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गैंगस्टर नेटवर्क, नशा तस्करी और अवैध हथियारों के खिलाफ खुफिया जानकारी के आधार पर लगातार अभियान जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

महिला अस्पताल को किया जाएगा अपग्रेड, सभी सुविधाएं होंगी उपलब्ध : विधायक डॉ. अजय गुप्ता

इस अस्पताल को मिनी सिविल अस्पताल में किया जाएगा तब्दील : सिविल सर्जन

अमृतसर, 6 फरवरी (साहिल बेरी)

केंद्रीय विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ. अजय गुप्ता ने आज सिविल सर्जन डॉ. सतिंदरजीत सिंह बाजाज और नगर निगम अधिकारियों के साथ धाब खटिका क्षेत्र स्थित महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। विधायक डॉ. गुप्ता ने कहा कि शहर के मध्य स्थित इस अस्पताल को अपग्रेड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों और स्टाफ के साथ विस्तृत चर्चा की। डॉक्टरों और स्टाफ ने अस्पताल में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विधायक डॉ. गुप्ता ने कहा कि अस्पताल में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने के लिए वह आज ही पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि इस चौकी पर पुलिस कर्मियों की दिन-रात तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि एओटी ट्रीटमेंट सेंटर को इस अस्पताल से किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा।

विधायक डॉ. गुप्ता ने सिविल सर्जन डॉ. सतिंदरजीत सिंह बाजाज को अस्पताल में स्त्री रोग, मेडिसिन और सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के लिए आवश्यक सभी मेडिकल उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे। साथ ही अस्पताल के केमिस्ट शॉप पर सभी प्रकार की दवाइयां मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त सभी प्रकार की जांच भी निशुल्क करवाई जाएंगी, ताकि अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

विधायक डॉ. गुप्ता ने नगर निगम अधिकारियों को अस्पताल का पूर्ण रूप से नवीनीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगभग 50 लाख रुपये की लागत से अस्पताल का नवीनीकरण किया जाएगा। अस्पताल की टूटी छतों, दीवारों और फर्श की मरम्मत करवाई जाएगी। शौचालयों का निर्माण किया जाएगा तथा अस्पताल में लाइटें लगाई जाएंगी। इसके साथ ही अस्पताल की रंगाई-पुताई भी करवाई जाएगी। उन्होंने निगम अधिकारियों को जल्द से जल्द टेंडर जारी कर काम शुरू करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. सतिंदरजीत सिंह बाजाज ने कहा कि जैसा कि विधायक डॉ. अजय गुप्ता ने बताया, यह अमृतसर के पुराने शहर का सबसे पुराना अस्पताल है। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल को मिनी सिविल अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यहां सिविल अस्पताल की सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल में और विशेषज्ञ डॉक्टर नियुक्त किए जाएंगे।

इस मौके पर पार्षद विक्की दत्ता, रविंदर सिंह दावर, दीपक वोहरा, ऋषि कंबोज, दीपक चड्ढा, मनजीत सिंह, नगर निगम एसडीओ गुरप्रीत सिंह तथा आम आदमी पार्टी के बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

स्वर्गीय अजीत पवार जी के अस्थि कलश का विसर्जन

कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, भावुकता और सम्मान के वातावरण में संपन्न हुआ।

परिवहन विशेष न्यूज

राउरकेला : सम्पूर्ण भारत में हो रही अस्थि कलश यात्रा का कार्यक्रम आज भी जारी रहा। इस अवसर पर पूंडेग में आयोजित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और विभिन्न जिलों से आए समर्थकों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय अजीत पवार जी के व्यक्तित्व, उनके सरल स्वभाव और कार्यकर्ताओं के प्रति उनके विशेष लगाव को याद करते हुए उन्हें एक समर्पित जननेता बताया।

कार्यक्रम में उड़ीसा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजकुमार यादव भी अपनी टीम के साथ शामिल हो श्रद्धा सुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री कमलेश सिंह सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। सभी ने स्वर्गीय पवार जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा संगठन और जनता के हित को सर्वोपरि रखा। उनके कार्यकाल में पार्टी संगठन को मजबूती मिली और कार्यकर्ताओं को सम्मान एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वक्ताओं ने कहा कि उनका निधन केवल पार्टी ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है।

इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे स्वर्गीय अजीत पवार जी के आदर्शों पर चलते हुए ईमानदारी, समर्पण और सेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन और समाज के प्रति निष्ठा के साथ कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से अस्थि कलश लेकर आये अनिल वर्मा, दुर्गा उरांव, सुनील पटेल, अमन गुप्ता सहित कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं झारखंड प्रदेश राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष सच्चिदानंद सिंह ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा और सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जहां सभी ने स्वर्गीय अजीत पवार जी की स्मृतियों को नमन करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया।

शख्सियत दमदार और प्रभावशाली होगी, तभी तो दुश्मन और विरोधी सामने आएंगे, अन्यथा साधारण अथवा निष्क्रिय व्यक्ति को कौन देखता है

लेखक:- डॉ. पंकज भारती, सारण(बिहार)।

जीवन का चक्र हमेशा गतिशील रहता है। इसमें उतार-चढ़ाव तो आते रहते हैं। मगर एक बात हमेशा सच है कि एक दमदार और प्रभावशाली व्यक्तित्व ही लोगों के ध्यान का केंद्र बन जाता है। यह एक सत्य है कि जहां एक पेड़ जितना ऊंचा होता है, उतनी ही तेज हवाएं उस पर प्रहार करती हैं। ठीक इसी प्रकार, एक प्रभावशाली व्यक्ति जितना ऊंचा उठता है, उतनी ही चुनौतियां और विरोध का सामना करना पड़ता है। मनुष्य की शख्सियत उसकी सबसे बड़ी पहचान है। यह व्यक्तित्व का वह स्वरूप है, जो दूसरों पर स्थायी छाप छोड़ता है। दमदार और प्रभावशाली शख्सियत के निर्माण में आत्मविश्वास, ज्ञान, और संघर्षों से पार पाने की अद्वितीय क्षमता का योगदान होता है। ऐसी शख्सियतें समाज में मात्र उपस्थिति भर से न केवल सम्मान अर्जित करती हैं, बल्कि अपने विरोधियों और आलोचकों को भी अपने अस्तित्व का अहसास कराती हैं। साधारण व्यक्तित्व के लोग भले ही भीड़ का हिस्सा बनकर गुमनामी के सागर में खो जाते हों, लेकिन प्रभावशाली लोग इतिहास की किताबों में अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। शख्सियत का अर्थ मात्र बाह्य आकर्षण तक सीमित नहीं है। यह मनुष्य के अंदर छुपे साहस, विवेक, और चरित्र का प्रतिबिंब है। दमदार और प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण समय और परिस्थितियों की कठिन चट्टानों पर अपने अस्तित्व की छेनी चलाने से होता है। इतिहास साक्षी है कि केवल वही व्यक्ति दुश्मनों और विरोधियों को जन्म देता है, जिसने समाज, राष्ट्र या मानवता के कल्याण के लिए कुछ अद्वितीय कार्य किया हो। महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसी विभूतियाँ इस बात का उदाहरण हैं कि एक मजबूत व्यक्तित्व न केवल दूसरों को प्रेरित करता है, बल्कि विरोधियों को चुनौती देने का साहस भी देता है। उनकी शख्सियत इतनी प्रभावशाली थी कि उनके दुश्मनों ने भी उनके अदम्य साहस और निष्ठा का लोहा माना। दुश्मन और विरोधियों का सामना करना उस अग्निपरीक्षा के समान है, जो व्यक्ति की ताकत, धैर्य, और विवेक की परीक्षा लेती है। साधारण व्यक्ति प्रायः विरोध से घबराकर पीछे हट जाते हैं, जबकि दमदार व्यक्तित्व वाले लोग इसे अवसर मानकर अपने कौशल का प्रदर्शन करते हैं। यह तथ्य निर्विवाद है कि निष्क्रियता और औसत दर्जे का जीवन जीने वाले व्यक्तियों का न तो कोई दुश्मन होता है और न ही कोई विरोधी। यह उनकी अप्रासंगिकता का प्रमाण है। वही व्यक्ति आलोचना और विरोध का पात्र बनता है, जो समाज में अपने विचारों, कार्यों और दृष्टिकोण से हलचल मचाने का साहस रखता है। यह तथ्य कहीं न कहीं स्पष्ट है कि लोग उन्हीं की ओर आकर्षित होते हैं जिनमें कुछ खास बात होती है। एक दमदार शख्सियत का पहला गुण उसका आत्मविश्वास होता है। ऐसा व्यक्ति हर परिस्थिति में अपने विचारों और निर्णयों पर विश्वास रखता है। विरोध और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता दमदार व्यक्तित्व का प्रमुख तत्व है। ज्ञानवान व्यक्ति ही मर्मस्पर्शी व्यक्तित्व का निर्माण करता है। शिष्टाचारी और चरित्रवान व्यक्ति समाज में स्थायी सम्मान अर्जित करता है। प्रभावकारी,संघर्षशील और वाक्पटु वाला व्यक्ति सदैव नेतृत्व करता है और दूसरों को प्रेरित करता है। रसूखदार,असरदार शख्सियत वाले लोग विरोध को अपने आत्मविकास का हिस्सा मानते हैं। यह उनके विचारों और सिद्धांतों की प्रामाणिकता को परखने का माध्यम बनता है। आलोचना और विरोध को सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वीकार करके वे अपने व्यक्तित्व को और निखारते हैं। एक बार एक सेलिब्रिटी ने कहा था "विरोधियों की उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि आप सफलता के मार्ग पर हैं।" यह कथन इस बात को रेखांकित करता है कि विरोध व्यक्ति की सफलता और प्रभावशीलता का प्रमाण है। साधारण व्यक्ति प्रायः समाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में असफल होते हैं। उनका जीवन एक सधे हुए यांत्रिक क्रम के अधीन होता है, जिसमें रचनात्मकता और नवीनता का अभाव होता है। ऐसे व्यक्ति न तो किसी के प्रेरणास्रोत बनते हैं और न ही किसी के लिए चुनौती। परिणामस्वरूप, वे अपने जीवनकाल में अप्रासंगिक बनकर रह जाते हैं। दुश्मनों और विरोधियों से घबराने की बजाय उन्हें अपनी प्रेरणा का स्रोत बनाना चाहिए। जब व्यक्ति को यह एहसास होता है कि उसके कार्यों और विचारों ने दूसरों को प्रभावित किया है, तो वह और अधिक जोश और ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ता है। "शख्सियत में गहराई होगी, तभी तो दुश्मन खड़े होंगे, अन्यथा कमजोर और अशक्त की ओर ध्यान कौन देता है।" यह वाक्य व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण के मर्म को प्रस्तुत करता है। समाज में वही लोग महान कहलाते हैं, जो अपनी उपस्थिति मात्र से परिवर्तन की लहरें उत्पन्न करते हैं। साधारण और निष्क्रिय व्यक्तित्व भले ही बिना किसी चुनौती के जीवन व्यतीत कर लें, लेकिन प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले लोग अपने साहस, ज्ञान, और नेतृत्व से इतिहास रचते हैं। इसलिए, यदि आपके विरोधी हैं, तो यह गर्व की बात है। यह दर्शाता है कि आप साधारण से परे हैं और आपके कार्य समाज में गहरा प्रभाव डाल रहे हैं।

डीटीसी के नाम दिल्ली -- पानीपत (हरियाणा) के लिए रविवार 8 फरवरी से होगी सेवा शुरू

संजय कुमार बाठला

दिल्ली परिवहन निगम के सक्षम प्राधिकारी ने यह अनुमोदित किया है कि 8 फरवरी 2026 (रविवार) को राम लीला मैदान से दिल्ली से पानीपत (हरियाणा) के लिए 500 नई ई – बसों और अंतरराज्यीय बस सेवा को हरी झंडी दिखा कर शुरू किया जाएगा।

दिल्ली परिवहन निगम जो पहले अंतरराज्यीय बस सेवा में अव्वल सेवा प्रदान करने के लिए जाना जाता था पर पिछले कई वर्षों से बसों के अभाव और राजनीतिक षडयंत्र के कारण बसों को ना खरीदने के कारण सेवा बंद कर चुका था के नाम से दिल्ली में चल रही कंपनियों की ई बसों में से 500 ई बसों को इस रूट पर चलाने के लिए दिल्ली सरकार का फैसला। इस सेवा के शुरू होने से जनता को कुछ राहत अवश्य मिलेगी अगर यह बसे दिल्ली में चल रही बसों की तरह कही भी खराब होकर खड़ी नहीं होगी तो।

DELHI TRANSPORT CORPORAITON
(GOVT. OF N.C.T. OF DELHI)
I.P.ESTATE: NEW DELHI

No. DTC/2026/356 Dated:- 06-02-2026

SUB :- FLAG OFF OF 500 NEW E-BUSES AND INTERSTATE BUS SERVICE DELHI TO PANIPAT(HARYANA)

The Competent Authority has approved that, for making arrangements of flag off of 500 New E-Buses and Interstate Bus Service Delhi to Panipat(Haryana) from Ram Leela Maidan on 08.02.2026(Sunday), the following officer shall be responsible for making arrangements of the event: -

S NO.	TASKS	NODAL OFFICER	ASSISTING OFFICERS
1.	Making arrangements for inauguration, which would inter-alia including arrangements of stage of adequate size with Tent, seating arrangements on stage, sound system, backdrop, live stream, Anchor, flower decoration, hoardings/banners, Separate seating arrangements for High Tea, Seating for Public, Coordination with MCD Local Authorities, Toilet facilities etc.	Sh. Alok Kumar, Dy.CGM(Admin) & Sh. Navneet Chaudhary, Dy.CGM(Traffic)	Sh. Jagdish Kumar, RM(East)
2.	Providing design for creatives, Banners, Speaking Points for speech, Dias Plan etc.	Sh. Hanish, RM(West) & Sh. D.P. Singh, RM(South)	Sh. Gaurav, Manager, NND and Sh. Ashish, DM, IPD.
3.	Making arrangements of Refreshments, High tea, Crockery, Water etc.	Sh. Pankaj Kumar, RM(North)	Sh. Sonam, DM, Rajghat
4.	To ensure that the invitation letters are sent to the office of Chief Guests, Dignitaries etc.	Sh. Navneet Chaudhary, Dy.CGM(Traffic)	Sh. Lalit Nagar. Manager(Admin)
5.	Making arrangements of Videography, Photography etc.	Sh. A.D. Chikkara, Dy.CGM	Sh. Rakesh Kumar, Manager(IT)
6.	Making arrangements of Security, Fire Brigade, CATS Ambulance, Parking arrangement at the location etc.	Sh. A.D. Chikkara, Dy.CGM (Security)	Sh. Yogesh, CSO

The overall coordination will be under the supervision of Sh. Alok Kumar, Dy.CGM(Operations).

OSD to M.D.

Officer Concerned

Copy to:
1. P.A. to M.D: for kind information of MD, DTC.
2. PA to CGM: for kind information of CGM, DTC.

सरकार सिर्फ़ आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेल रही है:बिजेड़ी

मनोरंजन शासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर: ओडिशा के हक के लिए राज्य सरकार ने जो कदम उठाए हैं, उससे लोगों में शक पैदा हो गया है। सरकार सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेल रही है। वह दुविधा में है। उम्मीद थी कि ट्रिपल इंजन का मुद्दा सरकार सुलझा लेगी। लेकिन अब यह निराशा में बदल गया है। बीजू जनता दल ने महानदी मुद्दे पर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है।ट्रिब्यूनल का समय 13 अप्रैल को खत्म होने वाला है।BJD ने सरकार के कार्यकाल को और 9 महीने बढ़ाने के लिए चिट्ठी लिखने पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने सवाल किया है कि 9 महीने बढ़ाने के बाद महानदी जल विवाद का क्या हल निकलेगा। पिछली सरकार जिले के विवाद को सुलझाने के लिए सभी फोरम पर गई है। देश के प्रधानमंत्री ने नहीं सुना। सेंट्रल वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट ने नहीं सुना। छत्तीसगढ़ सरकार ने नहीं सुना। नतीजतन, BJD सुप्रीम कोर्ट गई। अब राज्य सरकार समझौते की बात करके और शोर मचा रही है। देश में कहीं भी पानी का कोई विवाद समझौते से नहीं सुलझा है। अगर समझौता हो जाता है, तो क्या राज्य सरकार ट्रिब्यूनल से हट जाएगी? राज्य सरकार 30 तारीख को छत्तीसगढ़ से बातचीत के लिए क्यों नहीं गई?

क्या छत्तीसगढ़ सरकार बातचीत मानने को तैयार नहीं है? मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री ने कहा कि बातचीत हुई, लेकिन वे हाई-लेवल मीटिंग में नहीं गए। सरकार का मकसद क्या है? सरकार पार्टी के फ़ायदे के लिए राज्य के लोगों के फ़ायदों की बलि दे रही है। BJD ने आरोप लगाया है कि एक पार्टी की सरकार की वजह से ओडिशा सरकार झुक गई है। अभी तक छत्तीसगढ़ सरकार बैराज और सैंड डैम बना रही है। राज्य सरकार चुप है। BJD ने कहा है कि सरकार राज्य के लोगों के साथ छुरा घोंप रही है। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य का पानी कंपनी को दे रही है। अगर इसे नहीं रोका गया तो ओडिशा खत्म हो जाएगा। लेकिन राज्य सरकार नहीं जागेगी। BJD ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने इसका हल नहीं निकाला तो राज्य के लोग इसका जवाब देंगे। लोगों को बताएं कि ओडिशा के फ़ायदे के लिए उनकी क्या मांगें हैं। BJD ने मांग की है कि महानदी बचाव कमेटी को इसमें शामिल किया जाए।

होली के दौरान यात्रियों की आसान यात्रा के लिए इंडियन रेलवे रिकॉर्ड संख्या में स्पेशल ट्रेनें चलाएगा

मनोरंजन शासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : आने वाले होली त्योहार के दौरान यात्रियों के लिए आरामदायक और बिना किसी परेशानी के यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, इंडियन रेलवे अपने नेटवर्क पर 1,410 से ज़्यादा होली स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा है। यह संख्या 1,500 तक जा सकती है। इन स्पेशल सेवाओं का मकसद त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ी हुई मांग को पूरा करना और प्रमुख जगहों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। ये स्पेशल ट्रेनें मार्च महीने में चलने वाली हैं। पिछले साल, 2025 में, होली के लिए कुल 1,144 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं।

अलग-अलग ज़ोन के आधार पर, ईस्ट सेंट्रल रेलवे (ECR) ज़्यादा से ज़्यादा 285 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इसके बाद, वेस्टर्न रेलवे (WR) यात्रियों की भारी भीड़ को पूरा करने के लिए वेस्टर्न रूट पर 231 ट्रेनें चलाने की योजना बना रहा है। सेंट्रल रेलवे (CR) 209 होली स्पेशल ट्रेनें चलाएगा, जबकि साउथ सेंट्रल रेलवे (SCR) कुल 160 सर्विस चलाएगा। इसके अलावा, नॉर्दर्न रेलवे (NR) और नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे (NWR) ने एक के बाद एक 108 है। 71 होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का प्लान बनाया है।

कनेक्टिविटी को और मज़बूत करते हुए, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे (NCR) 66 स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे (NER) और ईस्ट कोस्ट रेलवे (ECoR) दोनों 62 ट्रेनें चलाएंगे।

साउथ वेस्टर्न रेलवे (SWR) 47 ट्रेनें चलाएगा, जबकि वेस्ट सेंट्रल रेलवे (WCR) ने 43 सर्विस चलाने का प्लान बनाया है। इसके अलावा, सदर्न रेलवे (SR) और साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे (SECR) एक के बाद एक 39 और 15 होली स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इलाके की मांग को पूरा करने के लिए, कोंकण रेलवे (KR) 9 स्पेशल ट्रेनें और नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर रेलवे (NFR) दो ट्रेनें चलाएगा।

इंडियन रेलवे बड़े त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और अच्छे से काम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यूएवी/ड्रोन/माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट/ क्वाडकॉप्टर उड़ाने पर रोक संबंधी आदेश जारी

अमृतसर, 06 फरवरी (साहिल बेरी)

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट अमृतसर श्री रोहित गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अमृतसर ग्रामीण जिले के अधिकार क्षेत्र में आम जनता द्वारा निजी ड्रोन/क्वाडकॉप्टर के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय सीमा से 25 किलोमीटर की परिधि तथा सैन्य/वायु सेना स्टेशनों/बीएसएफ प्रतिष्ठानों अथवा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के 3 किलोमीटर के दायरे में लागू रहेगा।

वर्तमान सुरक्षा परिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए अमृतसर ग्रामीण जिले की सीमाओं के भीतर बिना पूर्व अनुमति ड्रोन यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल), आरवीपी (रिमोटली पायलटेड व्हीकल), आरसीए (रिमोट कंट्रोल्ड एयरक्राफ्ट), माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, पैराग्लाइडर तथा हैंग ग्लाइडर उड़ाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि पूर्व में प्राप्त खुफिया सूचनाओं के अनुसार सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हथियारों और अन्य अवैध सामग्री की खेप भारत भेजने के लगातार प्रयास किए गए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए वायु सेना तथा अन्य संवेदनशील प्रतिष्ठानों के आसपास ड्रोन/क्वाडकॉप्टर उड़ाने पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। ***ये आदेश 21 मार्च 2026 तक प्रभावी***

एक आम विद्यार्थी की आशाओं को पूरा कर रहा निर्माण कैंपस - डॉ. अमित कांसल

निर्माण कैंपस ऑफ एजुकेशन, रिसर्च व ट्रेनिंग ने जारी किया 2026–27 का प्रॉस्पेक्टस

संगरूर,6 फरवरी (जगसीर सिंह)-

क्षेत्र के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में से एक निर्माण कैंपस आफ एजुकेशन रिसर्च व ट्रेनिंग ने शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए अपना नया प्रॉस्पेक्टस जारी कर दिया है। शिक्षा संस्थान भारत सरकार की केंद्रीय यूनिवर्सिटी इग्नू और पंजाब सरकार द्वारा स्थापित महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी से संबंधित है। निर्माण कैंपस द्वारा जारी किए गए प्रॉस्पेक्टस में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रमों, सुविधाओं, छात्रवृत्ति योजनाओं और करियर मार्गदर्शन की विस्तृत जानकारी दी गई है। कांसल फाउंडेशन व निर्माण कैंपस के संस्थापक प्रख्यात राष्ट्रवादी शिक्षाविद डॉ अमित कांसल ने प्रॉस्पेक्टस जारी करते हुए कहा कि निर्माण कैंपस का लक्ष्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त, आत्मनिर्भर और सफल नागरिक बनाना है। हम एक आम परिवार के छात्र के सपनों को साकार करने के लिए समर्पित हैं। हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को हर वर्ग तक पहुँचाना है, ताकि कोई भी छात्र आर्थिक या सामाजिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे।

इस अवसर पर कैंपस के निदेशक (एडमिशन) दीपक बां सलने कैंपस में उपलब्ध प्रमुख पाठ्यक्रमों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कैंपस में कंप्यूटर एवं आईटी क्षेत्र से संबंधित कोर्स जैसे कि बी.ए. (कंप्यूटर साइंस), बीएससी (इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी) और पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन जैसे महत्वपूर्ण कोर्स जबकि वाणिज्य एवं प्रबंधन क्षेत्र से बैचलर इन कॉमर्स जैसे कोर्स रेगुलर मोड में चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह सभी कोर्स महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टेक्निकल विश्वविद्यालय से संबंधित हैं जबकि केंद्रीय यूनिवर्सिटी इग्नू से 100 से अधिक बैचलर, मास्टर डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रोग्राम डिस्टेंस मॉड में करवाए जा रहे हैं। सभी के लिए दाखिले शुरू हो चुके हैं।उन्होंने जानकारी दी कि यह प्रॉस्पेक्टस विद्यार्थियों को सही कोर्स चयन, प्रवेश प्रक्रिया और भविष्य की योजना बनाने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। शिक्षा के साथ-साथ रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है। संस्थान के डायरेक्टर करणवीर कांसल ने विद्यार्थियों के लिए विशेष सुविधाओं संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि निर्माण कैंपस में दाखिला लेने वाले सभी विद्यार्थियों को को मुफ़्त पुस्तकें, बस स्टैंड सुनाम से मुफ्त परिवहन की सुविधा और आईलेट्स व सरकारी नौकरियों की मुफ्त कोचिंग की सुविधा प्रदान की जा रही है। विद्यार्थी इस कैंपस से डिग्री प्राप्त करने के साथ-साथ एक आत्मनिर्भर और एक जिम्मेवार नागरिक बनकर निकलेगा। करणवीर कांसल ने बताया कि एस.सी. विद्यार्थियों के लिए 100% छात्रवृत्ति योजना को लागू किया गया है जबकि सामान्य वर्ग से विद्यार्थी कांसल फाउंडेशन फॉर एजुकेशन स्किल्ड डेवलपमेंट और एंप्लॉयमेंट द्वारा आयोजित शहीद उधम सिंह स्कॉलरशिप टेस्ट-2026 में भाग लेकर स्कॉलरशिप का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

जीआरपी पुलिस स्टेशन अमृतसर द्वारा 48 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर केस सुलझाया गया

अमृतसर 6 फरवरी (साहिल बेरी)

अमृतसर: एफआईआर नंबर 11 दिनांक 03-01-2026 धारा 103(1), 3(5) बीएनएस, थाना जीआरपी अमृतसर। जीआरपी पुलिस स्टेशन अमृतसर ने त्वरित कार्रवाई और तकनीकी तरीकों के प्रभावी उपयोग से 48 घंटे के भीतर एक ब्लाइंड मर्डर केस को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। मृतक की पहचान अनु वर्मा (लगभग 33 वर्ष), निवासी बटाला रोड, अमृतसर के रूप में हुई है। जांच के दौरान मुख्य आरोपी पंकज, निवासी बटाला रोड, अमृतसर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में दो से तीन अन्य संदिग्धों की संलिप्तता भी सामने आई है, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

यह मामला तकनीकी विश्लेषण और पेशेवर जांच तकनीकों की सहायता से हल किया गया, जो जीआरपी पुलिस टीम की कार्यकुशलता और समन्वय को दर्शाता है। यह सफल ऑपरेशन एसएचओ सुखविंदर सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें आईटी विशेषज्ञ बलविंदर सिंह (बीओआई), एसआई नरेंद्र सिंह, एएसआई सुखबीर सिंह, एएसआई बलजिंदर सिंह, एएसआई हरपाल सिंह, एमएचसी परशोतम कुमार, मानव रामपाल और सुखविंदर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जीआरपी पुलिस अमृतसर कानून व्यवस्था बनाए रखने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जीआरपी पुलिस, अमृतसर

कुमावत समाज तेलंगाना अध्यक्ष एवं कार्यकरणी द्वारा श्री दिनेश कुमावत भाजपा से ईशानापुर मुंसिपल वार्ड 16 से इलेक्शन के प्रचार में कैंपिंग के लिए भाग लेते हुवे। विजय की शुभकामनाएं देते हुवे।श्री दिनेश कुमावत का भाजपा से इंसानपुर मुंसिपल वार्ड 16 से इलेक्शन चुनाव में विजय की शुभकामनाएं देते हुवे कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत संगारेड्डी अध्यक्ष कानाराम दुबलदिया गाछी बावली अध्यक्ष लुंबाराम जालोरा बुधाराम होतवाल, जय प्रकाश चांदोरा, मांगीलाल बावलेचा, अन्दराम मानावत, हनुमान पीपावत, रमेश भादनिया, राकेश दुबलदिया, बुधाराम बावलेचा, तेजाराम दुबलदिया, पेमाराम एकलिया।

रांची सिविल कोर्ट को बम से उड़ानें की धमकी के बाद हड़कंप , सघन तलाशी जारी

कार्तिक कुमार परिच्छा स्टेट हेड -झारखंड

रांची , जमशेदपुर में साइबर सेल होने की घटना से झारखंड अभी जूझ ही रहा था कि मुख्यालय रांची के सिविल कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली । इस सूचना के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया और पुलिस प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया। पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए झारखंड जगुआर का बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और हर संदिग्ध वस्तु की जांच की जा रही है।

सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। कोर्ट के मुख्य द्वारों और संवेदनशील हिस्सों पर पुलिस जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। पूरे परिसर की बारीकी से जांच की जा रही है और सीसीटीवी कैमरों की फीड पर भी लगातार नजर रखी जा रही है।

पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल अलर्ट पर हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। साइबर सेल की मदद से ईमेल की जांच की जा रही। इधर, पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

वहीं पुलिस ईमेल भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान करने में जुटा हुआ है। साइबर सेल की मदद से ईमेल की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जायेगी ।

अधिवक्ता जलेश कवि ने सरायकेला में नगर अध्यक्ष पद हेतु किया नामांकन

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड,- झारखंड

रांची ,सरायकेला के प्रथम विधायक मिहिर कवि के भतीजे तथा नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष जलेश कवि ने नगर पंचायत सरायकेला के उपाध्यक्ष हेतु अपना नामांकन पर्चा दाखिल की । तामझाम के साथ पहुंचे कवि ने सरायकेला के प्रबुद्धजनों के साथ नामांकन किया है । पारिवारिक पेशे से अधिवक्ता रहे जलेश का खेल व सामाजिक कार्यों को लेकर युवाओं में पकड़ है । उनकी पहचान एक अच्छे शिक्षक के रुप में भी है।

नामांकन दाखिल करने के बाद पुराने उन्होंने मीडिया को बताया कि वह किसी राजनीतिक पार्टी के बलबूते पर नहीं बल्कि जनता के स्नेहा पर यह चुनाव लड़ रहे हैं। उनका फोकस सरायकेला के विकास पर रहेगा । उन्होंने उम्मीद जताया कि चुनाव में जनता आवश्य विजयश्री की ताज पहनायेगी ।

एक जमाना तब वह था जब सरायकेला के ओडिया लोग बिहार विधानसभा में चयनित होकर जाते थे । जहां ओड़िया विकास निमित्त कार्य होते रहे । आज झारखंड मे इस समुदाय को राजनीति, आर्थिक रूप में विल्कुल उपेक्षित रखा जाता है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023